सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 11 ● अंक: 13 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, गुरुवार, 13 फरवरी, 2025
मूल्य ₹ 3/-

कोई भी उस व्यक्ति से प्रेम नहीं करता जिससे वो डरता है।
-अरस्तु

चैंपियंस ट्रॉफी से पहले भारत ने... 7 | चुनाव परिणाम बनाएंगे नए सियासी... 3 | 'जुमलाजीवी' भाजपा सरकार छुट्टा... 2

कांग्रेस की बदली चाल क्षेत्रीय दल निढाल

पश्चिम बंगाल में उठापटक जारी

केजरीवाल के बाद ममता का खेल बिगाड़ेगी कांग्रेस

» बिहार में पशुपति, तेजस्वी और राहुल की तिकड़ी में उड़ जाएंगे नीतीश कुमार

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस ने अपनी राजनीतिक चाल बदल ली है और अब वह पहले से ज्यादा आक्रामक राजनीति पर उतर आई हैं। कांग्रेस दिल्ली चुनाव से पहले तक क्षेत्रीय दलों को साथ लेकर राजनीति कर रही थी। जिसका फायदा क्षेत्रीय दलों को तो हो रहा था लेकिन कांग्रेस को नहीं। दिल्ली चुनाव से कांग्रेस ने चाल बदल दी है और अब वह क्षेत्रीय दलों के साथ मोल-भाव के मूड में नहीं दिखाई दे रही।

सत्ता में क्षेत्रीय दल रहे या फिर बीजेपी इससे कांग्रेस की सेहत पर कोई फर्क नहीं पड़ता। अब उसने क्षेत्रीय दलों के साथ बीजेपी से आर-पार की रणनीति बनाई है। दिल्ली के बाद कांग्रेस ने पश्चिम बंगाल और बिहार में पत्ते मथना शुरू कर दिये हैं जिसके सकारात्मक परिणाम उसके पक्ष में आ रहे हैं। पश्चिम बंगाल में प्रणव मुखर्जी के बेटे ने कांग्रेस में वापसी की है वहीं पशुपति पारस भी कांग्रेस-राजद के साथ आ सकते हैं।

पशुपति बिहार की सभी 243 सीटों पर लड़ेंगे चुनाव

पशुपति ने अगामी विधानसभा चुनाव में बिहार की सभी 243 सीटों पर चुनाव लड़ने का एलान कर दिया है। पशुपति के सभी सीटों पर चुनाव लड़ने का नुकसान एनडीए को होगा क्योंकि पुशपति कभी केन्द्र में मंत्री हुआ करते थे। चिराग पासवान के राजनीति में आने के बाद पशुपति का पत्ता कट गया और चिराग पासवान मंत्री बना दिये गये।

पश्चिम बंगाल में 2026 में विधानसभा के चुनाव होने हैं। जिस तरह से अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली में अकेले चुनाव लड़ने का एलान किया उसी प्रकार ममता बनर्जी भी बंगाल में अकेले चुनाव लड़ने का एलान कर चुकी है। ऐसे में कांग्रेस ने बड़ा दांव चलते हुए रूठो का मानने की मुहिम शुरू कर दी। जिसके परिणाम सकारात्मक अये और पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी के पुत्र अभिजीत मुखर्जी ने टीएमसी छोड़कर कांग्रेस का हाथ थाम लिया। अभिजीत मुखर्जी 2012 और 2014 में जंगीपुर लोकसभा सीट से कांग्रेस सांसद रह चुके हैं। कांग्रेस ज्वाइन करने के फौरन बाद उन्होंने कहा कि कि तृणमूल में जाना उनके लिए एक गैर-राजनीतिक फैसला था और कांग्रेस छोड़कर उन्होंने गलती की थी। उन्होंने स्वीकार किया कि उनका निर्णय सही नहीं था और अब वह फिर से कांग्रेस के साथ काम करने के लिए तैयार हैं। अभिजीत मुखर्जी की पश्चिम बंगाल की राजनीति में मान सम्मान है। उनके आने से कांग्रेस मजबूत होगी और यदि ममता के साथ गठबंधन क बात शुरू होती है तो वह कुछ सीटों पर मजबूती से चुनाव लड़ने की स्थिति में होगी। यदि ममता के साथ गठबंधन नहीं होता है तो वह इस स्थिति में आज भी है कि वह ममता को नुकसान पहुंचा सके।

बिहार में बदलेगा सियासी गणित

बिहार के नये सियासी समीकरण इस ओर इशारा कर रहे हैं कि वहां लालू यादव की कोशिशें परवान चढ़ती दिखाई दे रही है। बीजेपी-नीतीश गठबंधन अपने पत्ते खोल चुका है और कील कांटे दुरूस्त हो रहे हैं। वहीं लालू प्रसाद यादव की चूड़ा-दही भोज पर रालोजपा अध्यक्ष पशुपति कुमार पारस से हुई मुलाकात का असर कल दिखाई दिया।लोकसभा चुनाव से पहले रालोजपा एनडीए गठबंधन का हिस्सा थी, जिसमें पशुपति कुमार पारस प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार में कैबिनेट मंत्री के रूप में कार्यरत थे। लोकसभा चुनाव के दौरान बिहार में आरएलजेपी को कोई सीट नहीं मिली जिससे बीजेपी और रालोजपा में दरार आ गई। चिराग पासवान एनडीए में शामिल हो गए जबकि पशुपति पारस ने खुद को इससे अलग कर लिया। जनवरी में पटना में मकर संक्राति पर चूड़ा-दही भोज के दौरान पशुपति कुमार पारस ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और आरजेडी प्रमुख लालू प्रसाद यादव को आमंत्रित किया था। लालू प्रसाद यादव अपने बेटे तेज प्रताप यादव के साथ पारस के आवास पर पहुंचे थे, जिसके बाद आरएलजेपी के महागठबंधन में शामिल होने की अटकलें लगाई जाने लगी थी। पशुपति कुमार पारस ने संकेत दिया है कि चुनाव नजदीक आने पर गठबंधन पर फैसला लिया जाएगा।

प्रधानमंत्री मोदी के झोले में गिफ्ट का अंबार!

» विदेशी राजनीतिज्ञों को दिल खोलकर बांटते हैं गिफ्ट

» बाइडन की पत्नी के लिए ले गये थे महंगा हीरा तो फ्रांस के राष्ट्रपति को भी दिये हैं दिल खोलकर उपहार

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के झोला हमेशा विदेशी राजनायिकों के लिए सौगातों से भरा रहता है। इस बार भी प्रधानमंत्री मोदी अपनी विदेश यात्रा पर है और अपने द्वारा दिये गये उपहारों से खास चर्चा में हैं। पिछली अमेरिका यात्रा पर उनके द्वारा तत्कालीन राष्ट्रपति बाइडन की पत्नी को दिया गया हीरा पूरी दुनिया में चर्चा का विषय बना था।

उन्होंने किसी भी देश/व्यक्ति को पीछे छोड़ते हुए सबसे महंगा हीरा बाइडन को गिफ्ट किया था। उनके इस गिफ्ट की निगेटिव चर्चा हुई और उन्हें आलोचना का शिकार होना पड़ा कि भारत को इतना महंगा तोहफा नहीं देना चाहिए था। इस बार अभी तक उनके द्वारा दिये गये उपहारों महंगे उपहार तो सामने नहीं आये है लेकिन देखना यही होगा कि वह मोजूदा राष्ट्रपति को ट्रंप को क्या देते हैं?

मैक्रों की पत्नी को दिये खास उपहार

पीएम मोदी बुधवार को फ्रांस की दो दिन की अपनी यात्रा समाप्त कर अमेरिका लिए पहुंच चुके हैं। यूरोप में उनके उपहारों ने खास चर्चा बटोरी है। पीएम मोदी ने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और उनकी पत्नी को खास उपहार दिए। फ्रांस के राष्ट्रपति को उपहार के तौर पर पीएम मोदी ने जड़े हुए पत्थरों के साथ डोकरा संगीतकार कलाकृति भेंट की। वहीं फ्रांसीसी राष्ट्रपति की पत्नी को फूलों और मोर की आकृति वाला शानदार चांदी का हाथ से उकेरा हुआ टेबल मिरर गिफ्ट किया।

उपराष्ट्रपति वेंस के बच्चों को दिए तोहफे

उन्होंने अमेरिका के उपराष्ट्रपति जे.डी. वेंस से मुलाकात के दौरान उनके बच्चों के लिए भी तोहफे दिए। यू.एस. उपराष्ट्रपति के बेटे विवेक वेंस को उपहार स्वरूप लकड़ी का रेलवे खिलौना सेट दिया तो दूसरे बेटे को भारतीय लोक चित्रों पर आधारित जिगसॉ पजल भेंट की। पीएम मोदी ने उपराष्ट्रपति की बेटी मीराबेल रोज वेंस को एल्फाबेट सेट गिफ्ट के तौर पर दिया। अब देखना यही होगा कि जब उनकी मुलाकात अमेरिकन राष्ट्रपति ट्रंप से होगी तो वह उन्हें तोहफे में क्या देते हैं।

'जुमलाजीवी' भाजपा सरकार छुट्टा पशुओं का समाधान तक नहीं ढूंढ़ पाई : अखिलेश

» कसा तंज- राजधानी लखनऊ में तेंदुए आ गये, नाम बदलकर बड़ा बिल्ला योगी करेंगे मामला रफा-दफा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लखनऊ की शादी समारोह के दौरान तेंदुआ आने की घटना को लेकर समाजवादी पार्टी अध्यक्ष ने सरकार पर निशाना साधा है। सीएम योगी आदित्यनाथ के नाम बदलने वाली नीति पर उन्होंने तंज भी कसा। उन्होंने तेंदुआ को बड़ा बिल्ला नाम करने का सुझाव दे दिया है। बता दें उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में एक शादी समारोह के दौरान तेंदुआ घुसने के बाद हड़कंप मच गया।

मामला लखनऊ पारा के बुद्धेश्वर स्थित एमएम मैरेज लॉन का है। इस मामले पर समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने योगी आदित्यनाथ सरकार पर जोरदार तंज कसा है। उन्होंने आवारा पशुओं से लेकर अब जंगली जानवरों के शहर में घूमने पर तंज कसा। साथ ही, तेंदुए का नाम बदलने का भी सुझाव दे दिया। समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव सोशल मीडिया एक्स पर किए गए पोस्ट में प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार को निशाने पर लिया है। उन्होंने कहा कि यूपी की 'जुमलाजीवी' भाजपा सरकार अभी छुट्टा पशुओं की समस्या का ही समाधान ढूंढ़ नहीं पाई थी। अब उसके सामने एक और चुनौती आ गई है और वह है प्रदेश की राजधानी में 'तेंदुए' का हमला।

भाजपा सरकार में भ्रष्टाचार का एक रूप ये भी

अखिलेश ने कहा कि लखनऊ में एक शादी समारोह में तेंदुए के प्रवेश का समाचार चिंताजनक है। भाजपा सरकार में भ्रष्टाचार का एक रूप ये भी है कि जंगलों में इंसानों का अतिक्रमण बढ़ता ही जा रहा है। ऐसे में हिंसक जंगली जानवर भोजन की तलाश में जंगलों से निकलकर शहरों की तरफ आने को मजबूर हो रहे हैं। अखिलेश यादव ने कहा कि इस प्रकार के मामले से आम जनमानस का जीवन खतरे में पड़ गया है। उन्होंने सवाल किया कि इस मामले में कोई कार्रवाई होगी? या सरकार यह कहकर इस घटना पर पर्दा डाल देगी कि वो तेंदुआ नहीं 'ओवरसाइज बिल्ला' था। तंज भरे अंदाज में अखिलेश ने कहा कि यह भी हो सकता है तेंदुए का नाम बदलकर 'बड़ा बिल्ला' रख दिया जाए और मामला रफा-दफा कर दिया जाए।

पारा में तेंदुए के हमले में कई घायल

पारा के बुद्धेश्वर स्थित एमएम मैरेज लॉन में बुधवार रात भर हड़कंप मचा रहा। जंगली जानवर के घुसने के कारण विवाह स्थल पर हड़कंप मच गया। तेंदुए को देखकर शादी समारोह में भाग लेने पहुंचा एक व्यक्ति छत से कूद गया। इससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उनको अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वन विभाग की टीम मैरिज हाल में घुसे जानवर की तलाश जुटी। सुबह करीब 3 बजे तेंदुए को पकड़ने में वन विभाग की टीम सफल हुई। पारा के मैरेज हॉल में तेंदुए की खबर के बाद हरदोई जिले के कछौना रेंज अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे थे। तेंदुए को काबू में करने का प्रयास शुरू किया गया। रेंजर लॉन की दूसरी मंजिल पर जीने से चढ़कर तेंदुए को रेस्क्यू करने जा रहे थे। इसी दौरान तेंदुए ने उन पर हमला कर दिया। इस दौरान अधिकारी लड़खड़ा गए। अब इस मामले को सपा अध्यक्ष ने उठाया है।

पार्टी में गुटबाजी कतई बर्दाश्त नहीं : मायावती

» बसपा सुप्रीमो ने आकाश आनंद के ससुर को पार्टी से निकाला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बसपा सुप्रीमो मायावती ने बड़ी कार्रवाई करते हुए गुटबाजी और पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल रहने के आरोप में आकाश आनंद के ससुर डॉ. अशोक सिद्धार्थ को पार्टी से निष्कासित कर दिया है। राज्यसभा के पूर्व सांसद डॉ. अशोक सिद्धार्थ की बेटी से आकाश आनंद की शादी हुई है। डॉ. अशोक सिद्धार्थ के पिता बसपा संस्थापक कांशीराम के सहयोगी रहे हैं।

सोशल मीडिया साइट एक्स पर मायावती ने कहा कि बसपा की ओर से खासकर दक्षिणी राज्यों के प्रभारी रहे डॉ. अशोक सिद्धार्थ पूर्व सांसद व नितिन सिंह जिला मेरठ को, चेतावनी के बावजूद भी गुटबाजी आदि की पार्टी विरोधी गतिविधियों में लिप्त होने के कारण पार्टी के हित में तत्काल प्रभाव से निष्कासित किया जाता है। मायावती के इस निर्णय को दिल्ली विधानसभा चुनाव में हार के बाद पार्टी नेताओं को सख्त संदेश देने के रूप में देखा जा रहा है। बता दें कि दिल्ली विधानसभा चुनाव में बसपा ने जहां पर भी प्रत्याशी खड़े किये थे वहां पर जमानत जब्त हो गई।

महाकुंभ में आम आदमी के तौर पर आया हूं : दिग्विजय सिंह

» मप्र के पूर्व सीएम ने संगम में लगाई डुबकी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। कांग्रेस सांसद दिग्विजय सिंह उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में महाकुंभ 2025 क्षेत्र में पहुंचें। उन्होंने कहा कि मैं पिछले तीन महाकुंभों में पवित्र स्नान के लिए आता रहा हूं। मेरे लिए यह राजनीति का नहीं बल्कि भक्ति का विषय है। अगर हर सड़क पर पार्किंग की जगह बना दी जाए तो ट्रैफिक जाम नहीं होगा।

हम यहां वीआईपी के तौर पर नहीं बल्कि आम आदमी के तौर पर आए हैं। मैं सभी की शांति और समृद्धि के लिए प्रार्थना करता हूं। बाद में दिग्विजय सिंह ने एक्स पर लिखा कि आज माघ पूर्णिमा के अवसर पर प्रयागराज महाकुम्भ में त्रिवेणी संगम में स्नान करने और अर्घ्य देने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। मैंने इस अवसर पर माँ गंगा से देश-प्रदेश की खुशहाली की कामना की।

हादसे के मृतकों के प्रति संवेदना प्रकट की

दिग्विजय सिंह को दो दिन पहले ही संगम स्नान के लिए आना था लेकिन जाम की वजह से उन्होंने कार्यक्रम स्थगित कर दिया था। इसी क्रम में बुधवार को वह आए। कांग्रेस नेता ने संगम में डुबकी लगाने के साथ मौनी अमावस्या को हुए हादसे के मृतकों के प्रति संवेदना प्रकट की। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि महाकुंभ में आने वालों को काफी परेशानी उठानी पड़ रही है।

हमारे रहते कोई दूसरा सरकार कैसे बना लेगा : लालू

» बोले- दिल्ली चुनाव का बिहार पर असर नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। आरजेडी सुप्रीमो लालू यादव ने दिल्ली विधानसभा चुनाव के नतीजों को बिहार पर बेअसर बताया है। उन्होंने विश्वास जताया कि बिहार में उनकी पार्टी की सरकार बनेगी। लालू यादव ने ये बातें पत्रकारों से बातचीत के दौरान कही। इस दौरान उन्होंने बिहार विधानसभा चुनाव के लिए अपनी पार्टी की तैयारियों पर भी चर्चा की।

लालू यादव ने कहा कि बिहार की जनता को फ्री बिजली, रोजगार और सरकारी नौकरियां दी जाएंगी। लालू यादव ने दिल्ली चुनाव नतीजों पर कहा कि इसका बिहार की राजनीति पर कोई असर नहीं पड़ेगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि जब तक वो और उनकी पार्टी मौजूद है, बिहार में कोई दूसरी पार्टी सरकार नहीं बना सकती। लालू यादव ने अपने अंदाज में कहा कि यहां हमलोगों के रहते कोई दूसरा सरकार कैसे बना लेगा। अभी हमलोग यहीं हैं तो कोई भी इतनी आसानी से कैसे सरकार बना लेगा। लालू यादव ने कहा कि बिहार को समझना आसान नहीं है। लालू यादव ने पहले भी कई मौकों पर इसी तरह के बयान दिए हैं। वो और उनके बेटे तेजस्वी यादव लगातार कहते रहे हैं कि बिहार में सरकार बनाना इतना आसान नहीं है। इससे पहले नालंदा में एक कार्यक्रम में लालू यादव ने पार्टी कार्यकर्ताओं से कहा था कि उन्हें किसी के सामने सिर नहीं झुकाना है। उन्होंने सभी से मिलकर काम करने और तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री बनाने का आह्वान किया था।

चुनावी वादों को भी दोहराया

आरजेडी सुप्रीमो ने अपनी पार्टी के चुनावी वादों को दोहराया। उन्होंने कहा कि अगर उनकी सरकार बनती है तो बिहार के लोगों को मुफ्त बिजली दी जाएगी। रोजगार के नए अवसर पैदा किए जाएंगे। सरकारी नौकरियों में भी बढ़ोतरी की जाएगी। लालू यादव ने कहा कि हम जो कहते हैं, वो करते हैं। बिहार की जनता को कभी निराश नहीं होने देंगे।

अक्टूबर-नवंबर में चुनाव

बिहार में इस साल अक्टूबर-नवंबर में विधानसभा चुनाव होने की उम्मीद है। लालू यादव का ये बयान ऐसे समय में आया है जब देश भर में राजनीतिक सरगर्मियां तेज हैं। दिल्ली विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद सभी की निगाहें बिहार पर टिकी हैं। ऐसे में लालू यादव का ये आत्मविश्वास से भरा बयान उनकी पार्टी के कार्यकर्ताओं का हौसला बढ़ा सकता है। लेकिन बिहार की जनता किस पार्टी पर भरोसा जताती है, ये तो चुनाव के नतीजे ही बताएंगे। राजनीतिक पंडितों का मानना है कि बिहार में इस बार कांटे की टक्कर होगी।

धर्म व आस्था के नाम पर झूठ बोलती है भाजपा : पटवारी

» नर्मदा लोक पर मप्र कांग्रेस अध्यक्ष ने उठाए सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने अमरकंटक में स्नान करने के साथ ही मां नर्मदा मंदिर पहुंचकर पूजा अर्चना की। पूजा अर्चना करने के पश्चात उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट के जरिए मध्यप्रदेश सरकार पर नर्मदा कॉरिडोर बनाने को लेकर की गई घोषणा पर सवाल उठाने के साथ ही दो वर्ष बीत जाने के बावजूद अब तक क्यों इस पर कार्य प्रारंभ नहीं किया गया, यह मुख्यमंत्री से पूछा है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने भाजपा सरकार से सवाल पूछते हुए लिखा है कि दो साल पहले 100 करोड़ रुपये की लागत से अमरकंटक में मां नर्मदा कॉरिडोर बनाने की घोषणा की थी। मोहन सरकार ने इस पर क्या निर्णय लिया और इस पर कितना क्या काम किया गया। धर्म आस्था और विश्वास के नाम पर झूठ बोलने का आदतन अपराध बीजेपी कब तक करती रहेगी।

हाथी के नीचे से निकलने की मुख्यमंत्री और पूर्व मुख्यमंत्री को दी चुनौती

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने मां नर्मदा मंदिर पहुंचकर सबसे पहले मंदिर के समीप हाथी के प्रतिमा के नीचे से निकल कर मां नर्मदा की पूजा अर्चना की। इस हाथी की प्रतिमा को लेकर के यह मानता है कि यदि इसके नीचे से कोई व्यक्ति निकल जाता है तो क्लेश से मुक्ति और मनोकामना की पूर्ति हो जाती है। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान एवं वर्तमान मुख्यमंत्री मोहन यादव से अनुरोध किया कि जब भी वह अगली बार अमरकंटक आए तो हाथी की प्रतिमा के नीचे से निकल कर दिखाएं

चुनाव परिणाम बनाएंगे नए सियासी समीकरण!

महाराष्ट्र-दिल्ली में भाजपा की जीत के बाद सजग हुआ विपक्ष

- बंगाल व बिहार विस चुनाव पर अभी से शुरू हुआ मंथन
- टीएमसी का अकेले लड़नें का फैसला, राजद व जदयू में बढ़ी सक्रियता
- बिहार में जन सुराज की फंडिंग पर जदयू ने उठाए सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली व महाराष्ट्र में चुनावों नतीजों के बाद से राजनीति में नए-नए प्रतिमान जुड़ते जा रहे हैं। क्या सत्ता पत्रा क्या विपक्ष। सब अगली रणनीति पर अभी जुटने लगें हैं। सभी दलों की नजर अब इस साल के अंतिम में होने वाले बिहार चुनाव व ठीक इसके अगले साल होने वाले बंगाल चुनाव पर लगी हुई है। जहां केंद्र , महाराष्ट्र व दिल्ली में सत्ता में बैठी भजपा की एनडीए गठबंधन अपने सहयोगियों को अपने साथ जोड़े रखने के लिए बजट से लेकर हर वो साम-दाम-दंड व भेद अपना रही है जिससे उसकी सरकार बचर रहे और आगामी चुनावों में भी उसे लाभ होता रहे।

उधर विपक्षी गठबंधन इंडिया में दो राज्यों में हार के बाद से घमासान मचा हुआ है।दिल्ली में आप के हार के बाद सहयोगी दल टीएमसी, शिवसेना यूबीटी समेत कई क्षेत्रीय पार्टियां कांग्रेस से दूरी बनाने की जुगत में लग गई हैं। इनबातों को पुख्ता कर रहे हैं हाल ही उमर अब्दुल्ला, ममता बनर्जी व संजय राउत के बयान। हालांकि अभी कुछ भी कहना जल्दबाजी होगा क्योंकि चुनाव तक बहुत कुछ बदल सकता है। जेडीयू नेता नीरज कुमार ने कुछ दिनों पहले सवाल उठाया था कि प्रशांत किशोर को कहां से फंडिंग हो रही है? कहां से पैसा आ रहा है? इसको लेकर खुद जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर ने जवाब दिया है। पीके ने कहा कि मैंने कभी ठेकेदारी नहीं की, न कभी विधायक या सांसद बना। न ही मैं किसी सरकारी पद पर रहा और न ही मैं आईएएस या आईपीएस रहा। मेरे पास जो कुछ भी है वह मेरी बुद्धि और मां सरस्वती की कृपा से है। प्रशांत किशोर ने आगे कहा, क्या पैसा सिर्फ गुजरात के लड़कों के पास रहेगा? बिहार के लड़कों का वोट, बिहार के लड़कों की ताकत, बिहार के लड़कों की आवाज और पैसा गुजरात के लड़कों के पास, ये अब नहीं चलेगा। बिहार के लड़के मजदूरी करने के लिए पैदा नहीं हुए हैं। पीके ने कहा कि हम सब जानते हैं कि जिस पर सरस्वती जी की कृपा होती है उसके पास लक्ष्मी जी अवश्य आती हैं. उन्होंने स्पष्ट कहा कि बिहार के इस बेटे के पास जो कुछ भी है, वह उसने अपनी बुद्धि से कमाया है, उनके पिताजी ने नहीं दिया है, ताकि बिहार का कोई भी युवा कमजोर न रहे। नीरज कुमार ने कहा था कि चैरिटेबल फाउंडेशन के नाम पर राजनीतिक गतिविधियां चलाना टैक्स अनियमितता के एक बड़े मामले को जन्म देता है. इस फाउंडेशन के वित्तीय लेन-देन में भी गंभीर अनियमितताएं पाई गई हैं. प्रशांत किशोर को स्पष्ट करना चाहिए कि उनकी पार्टी और इस फाउंडेशन के बीच क्या संबंध है? उन्होंने स्वयं 50 लाख डोनेशन क्यों किया? इन सवालों पर भले सीधे तौर पर पीके ने कुछ नहीं कहा है लेकिन यह निशाना साधते हुए पलटवार कर जवाब जरूर दे दिया है।

पश्चिम बंगाल मे ममता ने दिखाए अलग तेवर

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने 2026 के राज्य विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के साथ गठबंधन की संभावना से इनकार करते हुए कहा है कि तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) अकेले चुनाव लड़ेगी और दो तिहाई बहुमत हासिल करके राज्य की सत्ता बरकरार रखेगी। टीएमसी के मुखपत्र जागो बांग्ला में प्रकाशित खबर के मुताबिक बनर्जी ने ए टिप्पणी सोमवार को टीएमसी विधायक दल की बैठक के दौरान की। इसके अनुसार बनर्जी ने टीएमसी विधायकों से कहा, तृणमूल कांग्रेस 2026 के चुनाव में दो तिहाई बहुमत के साथ सत्ता बरकरार आएगी। हमें किसी की मदद की जरूरत नहीं है। हम अकेले लड़ेंगे और अकेले जीतेंगे। जागो बांग्ला की खबर के अनुसार बनर्जी ने विश्वास जताया कि टीएमसी लगातार चौथी बार राज्य में सरकार बनाएगी और कहा कि राज्य विधानसभा चुनावों के लिए पार्टी की तैयारी शुरू हो जानी चाहिए। बनर्जी की टिप्पणी पर कांग्रेस की पश्चिम बंगाल इकाई की ओर से कड़ी प्रतिक्रिया आई है। कांग्रेस ने कहा कि इस तरह की अनावश्यक टिप्पणियां कई दलों में घबराहट का परिणाम हैं, जो ऐसा प्रतीत होता है कि दिल्ली विधानसभा चुनावों के बाद कांग्रेस को नजरअंदाज करने की गलती समझ गए हैं।

भाजपा ने बंगाल में कसी कमर

हाल ही में दिल्ली विधानसभा चुनाव के नतीजों के मद्देनजर, जिसमें आम आदमी पार्टी (आप) को हार का सामना करना पड़ा, भाजपा ने इसकी तुलना पश्चिम बंगाल के साथ करते हुए दावा किया है कि हो सकता है कि बनर्जी की कल्याणकारी योजनाएं चुनावी लाभ में तब्दील नहीं हों। विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी और भाजपा की प्रदेश इकाई के प्रमुख सुकांत मजूमदार सहित भाजपा नेताओं ने आप की हार का जिक्र करते हुए दावा किया है कि दिल्ली की तरह बंगाल के लोग भी सत्तारूढ़ पार्टी की मुफ्त योजनाओं को खारिज कर देंगे।

महाराष्ट्र में महाविकास अघाड़ी में रार

महाराष्ट्र की राजनीति एक बार फिर चर्चा में है। ताजा घटनाक्रम विपक्षी खेमे- महाविकास अघाड़ी (एमवीए) के नेता द्वारा भाजपा नीत महायुति सरकार में उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को सम्मानित किए जाने का है। इस मामले में एमवीए के प्रमुख चेहरे और शिवसेना (यूबीटी) के राज्यसभा सदस्य संजय राउत ने टिप्पणी की है। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे को मिले पुरस्कार पर राउत ने सवाल खड़े किए। उन्होंने सवाल किया, क्या आप जानते हैं कि यह पुरस्कार किसने दिया? राजनीतिक नेताओं को दिए जाने वाले ऐसे पुरस्कार या तो खरीदे जाते हैं या बेचे जाते हैं। बता दें कि महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को शरद पवार नीत राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी-एसपी) के प्रमुख और वयोवृद्ध राजनेता शरद पवार ने महादजी शिंदे राष्ट्र गौरव पुरस्कार से सम्मानित किया है। गौरतलब है कि शिंदे विधानसभा चुनाव 2024 से पहले महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री थे। उन्होंने उद्धव ठाकरे नीत शिवसेना के खिलाफ बगावत की थी। जिसके बाद वे भाजपा के समर्थन से सीएम बने थे।

दिल्ली की हार के बाद क्षेत्रीयदल समझ गए कांग्रेस को नजर अदांज करना गलती : सरकार

बनर्जी की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए पश्चिम बंगाल कांग्रेस के अध्यक्ष शुभंकर सरकार ने सवाल किया कि अगर उनकी पार्टी कोई मायने नहीं रखती तो क्षेत्रीय दल कांग्रेस को लेकर इतने परेशान क्यों हैं? उन्होंने कहा, दरअसल, दिल्ली चुनाव के नतीजों के बाद कई क्षेत्रीय दलों को एहसास हो गया है कि उस चुनाव में कांग्रेस को नज़रअंदाज़ करना एक गलती थी। आप जैसी पार्टियों और उसके जैसी सोच रखने वालों की समस्या यह है कि वे भाजपा की बी-टीम से ज़्यादा कुछ नहीं हैं। लगता है कि टीएमसी यह भूल गई है कि वह कांग्रेस थी जिसने टीएमसी की 2011 में वाम मोर्चे को हराकर सत्ता में आने में मदद की थी।हालांकि, पश्चिम बंगाल भाजपा ने बनर्जी की टिप्पणी और उस पर कांग्रेस की प्रतिक्रियाओं को ज्यादा तवज्जो नहीं दी। भाजपा नेता राहुल सिन्हा ने कहा, चाहे टीएमसी अकेले लड़े या कांग्रेस के साथ गठबंधन में, परिणाम एक ही होगा। टीएमसी को भाजपा से हार मिलने वाली है। राज्य के लोग टीएमसी शासन की भ्रष्टाचार और भाई-भतीजावाद की राजनीति से छुटकारा पाना चाहते हैं। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव अगले साल अप्रैल-मई में होने की संभावना है।

कांग्रेस अध्यक्ष शुभंकर सरकार का टीएमसी पर नरम रुख

पश्चिम बंगाल में कांग्रेस के अगले कदम को लेकर अटकलों के बीच टीएमसी का अकेले चुनाव लड़ने का फैसला भी काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। अधीर रंजन चौधरी को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पद से हटाए जाने और शुभंकर सरकार की नियुक्ति के बाद, जिन्हें टीएमसी के प्रति नरम माना जाता है, राजनीतिक हलकों में कांग्रेस-टीएमसी के बीच संभावित तालमेल की चर्चाएं तेज हो गई हैं। हालांकि, जागो बांग्ला ने बनर्जी के हवाले से कहा, गठबंधन का कोई सवाल ही नहीं है। तृणमूल अकेले लड़ेगी और ऐतिहासिक ब्लजीत हासिल करेगी। कांग्रेस की बंगाल में कोई मौजूदगी नहीं है। हमें बंगाल में कांग्रेस के साथ किसी गठबंधन की जरूरत नहीं है।

संजय राउत व अन्ना हजारे में भी ठनी

शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने अनुभवी सामाजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे पर 2014 के बाद भाजपा के नेतृत्व वाली सरकारों के तहत अनियमितताओं के खिलाफ आवाज नहीं उठाने का आरोप लगाया है। मंगलवार को राउत की यह टिप्पणी हजारे के उस दावे के बाद आई है जिसमें उन्होंने दावा किया था कि अरविंद केजरीवाल के पैसे पर ध्यान केंद्रित करने के कारण आम आदमी पार्टी (आप) हाल ही में दिल्ली विधानसभा चुनाव हार गई। हजारे ने सेना (यूबीटी) नेता की आलोचना पर पलटवार करते हुए कहा कि कुछ लोग चीजों को अपनी मानसिक स्थिति के अनुसार समझते हैं। मुंबई में पत्रकारों से बात करते हुए राउत ने दावा किया, अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया ने अन्ना हजारे को महात्मा बना दिया। उनके बिना, अन्ना दिल्ली नहीं देख पाते या (भ्रष्टाचार के खिलाफ विरोध के लिए) राम लीला और जंतर मंतर पर नहीं जाते। उन्होंने कहा कि 2014 के बाद बीजेपी शासित केंद्र और महाराष्ट्र में अनियमितताओं का विस्फोट हुआ, लेकिन अन्ना ने एक शब्द भी नहीं बोला।

आलोचना पर प्रतिक्रिया देते हुए हजारे ने कहा, एक विशेष रंग का चश्मा पहनने वाला व्यक्ति दुनिया को उसी के अनुसार देखता है। हाल के दिल्ली विधानसभा चुनावों में आप को हार का सामना करने के बाद, हजारे ने दावा किया कि केजरीवाल ने केवल शराब पर ध्यान केंद्रित किया और लोगों की सेवा करना भूल गए। हजारे मे कहा कि शराब नीति के मुद्दे के साथ पैसा आया और वे उसमें डूब गए। आम आदमी पार्टी की छवि खराब हुई। लोगों ने देखा कि वह(अरविंद केजरीवाल) पहले स्वच्छ चरित्र की बात करते हैं और फिर शराब नीति की।'' हजारे ने कहा कि आम आदमी पार्टी इसलिए हारी क्योंकि वह लोगों की निस्वार्थ सेवा करने की जरूरत को समझने में विफल रही और उसने गलत रास्ता अपना लिया।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

कब तक होता रहेगा कानून का दुरुपयोग

भारत में समय-समय पर कई कानून बनते रहते हैं। पर देखने में आया है कि कई कानूनों की कमियों की वजह से मुजरिम छूट जाते हैं। जैसे रेप से जुड़े कई मामलों में दोषी सुबूत के अभाव में या तो सजा मुक्त हो जाता है या कम सजा पाकर कुछ दिन बाद जमानत लेकर समाज में फिर सामान्य जीवन जीने लगता है। वहीं भारत में कुछ कानूनों का दुरुपयोग भी बहुत होता है उसमें सबसे ज्यादा दहेज का कानून स्थान है। इसकी आड़ में कई बार लड़की वाले लड़के के पक्ष को फंसा देते है। दहेज उत्पीडऩ और घरेलू हिंसा से जुड़े प्रकरणों में सुप्रीम कोर्ट ने पीड़िता को परेशान करने को लेकर आरोपी के परिजनों को बेवजह घसीटने पर वाजिब चिंता जाहिर की है।

“ भारत में कुछ कानूनों का दुरुपयोग भी बहुत होता है उसमें सबसे ज्यादा दहेज का कानून स्थान है। इसकी आड़ में कई बार लड़की वाले लड़के के पक्ष को फंसा देते है। दहेज उत्पीडऩ और घरेलू हिंसा से जुड़े प्रकरणों में सुप्रीम कोर्ट ने पीड़िता को परेशान करने को लेकर आरोपी के परिजनों को बेवजह घसीटने पर वाजिब चिंता जाहिर की है।

सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही एक मामले की सुनवाई के दौरान यह साफ कहा है कि ऐसे मामलों में आरोपी के परिजनों को सिर्फ इस आधार पर ही आपराधिक मामलों में नहीं फंसाया जाना चाहिए कि वे पीड़िता का साथ देने के बजाय उस पर होने वाले अत्याचारों को देखते रहे। अदालत ने यह भी कहा है कि ऐसे मामलों में अपराध में स्पष्ट रूप से संलिप्तता और उकसावे के संकेत जरूरी हैं। इसमें कोई संदेह नहीं कि महिला उत्पीडऩ और उसमें भागीदार बनने वालों को सजा दी जानी चाहिए। लेकिन, ऐसी घटनाएं भी सामने आती रही हैं, जिसमें दहेज को लेकर उत्पीडऩ और हत्या तक के मामलों में आरोपी के ऐसे रिश्तेदारों पर भी आपराधिक मामले दर्ज हो जाते हैं, जिनका संबंधित अपराध से दूर-दूर का वास्ता नहीं होता। इनमें वे नजदीकी रिश्तेदार भी होते हैं जो न तो आरोपी पक्ष के साथ रहते है और न ही किसी तरह के उकसावे की बात सामने आती। यह भी एक तथ्य है कि कई बार यह अनुमान लगाना मुश्किल हो जाता है कि महिला उत्पीडऩ के मामलों में कौन दोषी है और कौन बिना वजह ही फंसाया जा रहा है।निर्दोष व्यक्ति पुलिस व अदालतों की कार्यवाही का सामना करने के बाद बरी हो भी जाता है तो भी उसके लिए उत्पीडऩ को लेकर लगे कलंक को धोना आसान नहीं होता। धारा 498 ए (अब बीएनएस की धारा 85 और 86) पर अक्सर सवाल उठते रहे हैं। एक वर्ग लगातार यह आरोप लगाता रहता है कि इसका इस्तेमाल कई महिलाएं पति और ससुराल वालों को आपराधिक मामलों में फंसाने के लिए करती हैं। सुप्रीम कोर्ट भी कई बार कह चुका है कि खासतौर से दहेज उत्पीडऩ के मामलों में सावधानी बरतने की जरूरत है। यह इसलिए भी जरूरी है ताकि कोई कानून का दुरुपयोग नहीं कर सके। सुप्रीम कोर्ट ने ताजा फैसले में भी यही कहा है कि परिवार के सदस्य कई मामलों मे पीड़ित के साथ हिंसा की अनदेखी कर रहे हों तो इसका मतलब यह नहीं निकाला जाना चाहिए कि वे भी घरेलू हिंसा के अपराधी हैं।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

दूसरों से नहीं खुद से करें प्रतिस्पर्धा

हरीश मलिक

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'परीक्षा पे चर्चा' के आठवें संस्करण में सामूहिक संवाद के बजाय ग्रुप डिस्कशन के माध्यम से बच्चों के मन में उथल-पुथल मचा रहे सवालों के बड़ी सहजता से जवाब दिए। कहा गया कि इसमें देश के 3.30 करोड़ छात्र, 20 लाख शिक्षक और साढ़े पांच लाख से अधिक अभिभावक जुड़े। यह अब तक का सार्वकालिक रिकॉर्ड है। इसका महत्व इसलिए है क्योंकि आने वाले दिनों में ही सीबीएसई, आईसीएसई और राज्यों के बोर्ड्स की परीक्षाएं होने जा रही हैं। पीएम ने स्ट्रैस मैनेजमेंट और डिप्रेशन पर भी अपनी बात बेहद प्रभावी रूप से रखी। दरअसल, एनसीआरबी के आंकड़ों के आधार पर 'छात्र आत्महत्या भारत में महामारी' रिपोर्ट आईसी 3 संस्थान के वार्षिक सम्मेलन और एक्सपो 2024 में लॉन्च की गई थी।

इसमें यह चिंताजनक खुलासा हुआ कि देश में जनसंख्या वृद्धि से अधिक छात्र आत्महत्या की दर है। देश में जिस दर से जनसंख्या बढ़ रही है, उससे अधिक तेजी से छात्र आत्महत्या कर रहे हैं। 2021 और 2022 के बीच छात्रों की आत्महत्या में कुछ कमी आई, जबकि छात्राओं की आत्महत्या में वृद्धि हुई। रिपोर्ट में कहा गया है, पिछले दो दशकों में छात्रों की आत्महत्या की दर 4 प्रतिशत की खतरनाक वार्षिक दर से बढ़ी है, जो राष्ट्रीय औसत से दोगुनी है। रिपोर्ट के अनुसार महाराष्ट्र, तमिलनाडु और मध्य प्रदेश वो राज्य हैं, जहां छात्र सबसे ज्यादा आत्महत्या करते हैं। यहां जितने छात्र आत्महत्या करते हैं वह देश में होने वाली कुल छात्र आत्महत्याओं का एक तिहाई हिस्सा है। सबसे प्रमुख बात छात्रों की आत्महत्याओं के पीछे सबसे अहम कारण अवसाद, निराशा और अभिभावकों की अतिमहत्वाकांक्षा है। यही वजह है कि 'परीक्षा पे चर्चा' के दौरान सबसे ज्यादा फोकस स्ट्रैस मैनेजमेंट, डिप्रेशन, शिक्षकों और अभिभावकों की अतिमहत्वाकांक्षा और विद्यार्थियों को मनचाहा खुला आसमान देने पर हुई। कहा गया कि सभी को स्ट्रैस और टाइम मैनेजमेंट पर फोकस करना चाहिए। लिखने की आदत डालनी चाहिए।

छात्रों को खुलकर अपनी बात कहने के अधिक से अधिक अवसर देने चाहिए। मन को शांत रखना चाहिए। केवल किताबी कीड़ा नहीं बनना चाहिए। रोबोट नहीं बल्कि इंसान बनना चाहिए और पूरी नींद लेनी चाहिए। सबसे महत्वपूर्ण संदेश यह रहा कि बच्चों को दूसरों से नहीं, बल्कि स्वयं से प्रतिस्पर्धा करनी चाहिए। जब हम

स्वयं से प्रतिस्पर्धा करते हैं, तो आत्मविश्वास बढ़ता है। दूसरों से तुलना करने पर नकारात्मकता आती है। नकारात्मकता निराशा और डिप्रेशन बढ़ाती है। इसलिए अपनी कमजोरियों को पहचानकर उन्हें सुधारने से सफलता सुनिश्चित की जा सकती है। इसमें कोई दो राय नहीं कि आज के समय में बच्चों के कोमल मन को प्रतिस्पर्धा के भारी बोझ तले दबाने में घर, परिवार, पैरेंट्स, समाज, शिक्षा केंद्र और सोशल मीडिया की नकारात्मक भूमिका है। पहले के समय में 10वीं-12वीं में 60 फीसदी अंक लाने वाला विद्यार्थी भी 'हीरो' होता था। लेकिन आज हालात यह हैं कि 90 प्रतिशत अंक भी कम लगने लगे हैं। अब प्रतिस्पर्धा 90 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाले बच्चों और विशेष रूप से उनके अभिभावकों के बीच बढ़ने लगी है। कुछ माता-पिता ने तो इसे अपनी सामाजिक प्रतिष्ठा से जोड़ दिया है। जिसके कारण वे बच्चों पर अत्यधिक दबाव डालते हैं। प्रधानमंत्री ने सही कहा है कि बच्चों को प्रेशर कुकर की तरह दबाव में रखना अब अभिभावकों और शिक्षकों की सामान्य प्रवृत्ति बन गई है। कई बार अभिभावक मार्गदर्शन देने के बजाय अपनी इच्छाएं और अधूरी आकांक्षाएं बच्चों पर थोपने लगते हैं। कुछ बच्चों का कोमल मन इस दबाव को सहन नहीं कर पाता, जिससे वे अवसाद में चले जाते हैं या आत्महत्या जैसा कठोर कदम उठा लेते हैं। बच्चों की आपसी तुलना से बचना चाहिए, क्योंकि इससे उनमें हीनभावना उत्पन्न हो सकती है। माता-पिता का कर्तव्य है कि वे बच्चों को सिखाएं कि 24 घंटे का सही प्रबंधन कैसे किया जाए। नि:संदेह, जीवन में सफलता केवल परीक्षा के अंकों से नहीं, बल्कि समग्र विकास और आत्मविश्वास से मिलती है। जीवन किसी भी परीक्षा से बहुत बड़ा है।

इसलिए आज के बच्चों को उस आसमान की आवश्यकता है, जहां वे अपनी क्षमताओं का खुले दिल से प्रदर्शन कर सकें। उनका कहना था कि कई बार स्कूलों में केवल मेधावी छात्रों पर ध्यान दिया जाता है, जबकि कमजोर बच्चों को अनदेखा कर दिया जाता है। पीटीएम में अभिभावकों को नीचा दिखाकर हतोत्साहित कर दिया जाता है, जिससे समस्या का समाधान नहीं निकलता। दुर्भाग्य से कभी किसी भी स्कूल या शिक्षक ने कभी बच्चों की असफलता की जिम्मेदारी नहीं ली है। नि:संदेह, कोई बच्चा पढ़ाई में अच्छा न हो, लेकिन उसमें अवश्य ही एक ऐसा टैलेंट होगा जो उसे आगे बढ़ा सकता है।

दुष्प्रभावों से बचकर एआई का लाभ उठाया जाए

डॉ. संजय वर्मा

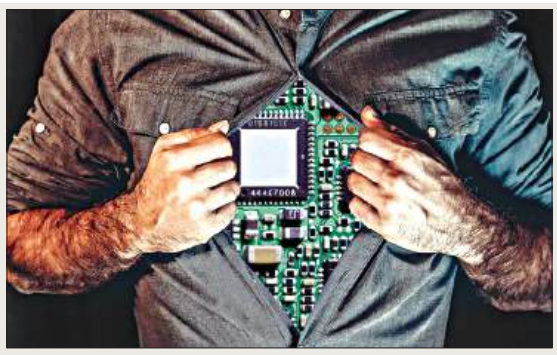

विज्ञान जगत अमूमन किसी तकनीक या सुविधा का आविष्कार सृजन के लिए करता है। यहां तक कि डायनामाइट हो या न्यूक्लियर एनर्जी जैसी चीजें- जिनके आविष्कार और खोज का मकसद विकास करना ही था, विनाश करना नहीं। इसी तरह करीब 7 दशक पहले ईजाद की गई आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को इक्कीसवीं सदी के पहले दो दशकों तक खतरे की बजाय सहयोगी की भूमिका में ज्यादा देखा गया। लेकिन साल 2022 में जब से ओपनएआई ने चैटजीपीटी को दुनिया के सामने पेश किया है, मशीनों को मिली चेतना यानी कृत्रिम बुद्धि के इंसानों से भी आगे निकल जाने और नौकरियों से लेकर हमारी खुद की क्षमताओं के खात्मे का खतरा एक वास्तविकता में बदलते हुए प्रतीत होने लगा है।

हालांकि, दुनिया अभी भी वे रास्ते तलाश कर रही है, जिनसे होते हुए एआई को हमारी सभ्यता के विनाश के बजाय विकास की दिशा में मोड़ा जा सकता है। पेरिस (फ्रांस) में आयोजित आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एक्शन समिट इसकी सबसे ताजा पहल है। इस सम्मेलन में नीति-निर्माताओं (राजनेताओं) और कृत्रिम बुद्धि के कारोबार से जुड़ी नामचीन हस्तियों ने इस पर विचार किया है कि एआई का वह भविष्य क्या है, जिसमें दुनिया इस तकनीक से डरने की जगह पर इसके इस्तेमाल से खुद की बेहतरी के इंतजाम कर सकती है। इस शिखर सम्मेलन में जुटे भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अलावा अमेरिकी उप-राष्ट्रपति जेडी वेंस, ओपनएआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन, माइक्रोसॉफ्ट प्रमुख ब्रैड स्मिथ, गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई और चीनी उप-प्रधानमंत्री झांग गुओकिंग ने यह जानने की कोशिश की है कि क्या एआई की भी सार्थकता उसी तरह सामने आ सकती है, जैसी बीसवीं सदी के अंत में कंप्यूटरीकरण की प्रक्रिया ने अपने आगमन के साथ दुनिया भर के कामकाज को आसान किया था। उस समय भी दुनिया आशंकित थी कि कंप्यूटर और इंटरनेट जैसी तकनीकें हमारी नौकरियों के लिए काल बन जाएंगी। लेकिन हुआ इसके उलट। इन तकनीकों ने नए रोजगार पैदा किए और कामकाज आसान किया।

लेकिन यहां एआई को लेकर अहम चिंता यह है कि यह सिर्फ मशीनी इंतजाम नहीं है। बल्कि कंप्यूटर-इंटरनेट से अलग इसका खतरनाक पहलू यह है कि यह तकनीक हमारे हाथ का कामकाज छीनकर सभ्यता पर कब्जा करने की हैसियत में आ सकती है। नवंबर, 2022 के आखिरी हफ्ते में चैटजीपीटी की लॉन्चिंग के साल भर में ही ऐसी स्थितियां बन गई थीं कि इसके आविष्कार में योगदान देने वाले अरबपति कारोबारी एलन मस्क कह बैठे कि दुनिया को एआई पर नियंत्रण की कोशिश करनी होगी, अन्यथा यह तकनीक इंसान के काबू से बाहर चली जाएगी। ऐसे में यह प्रश्न मुख्य रूप से पैदा हुआ है कि क्या एआई के बारे में कोई यह भरोसे से कह सकता है कि आगे चलकर यह तकनीक पूरी मानवता की हितैषी साबित होगी। इसे लेकर आज जो डर व आशंकाएं हैं, क्या वे निराधार पाई जाएंगी और अंतत: इससे हमारा भला ही होगा।

फिलहाल जो परिदृश्य हैं, उन्हें देखकर यह मानना और कहना सच में मुश्किल है कि कंप्यूटर-इंटरनेट की तरह एआई के विविध स्वरूप (चैटजीपीटी, डीपसेक आदि) सार्थक परिणाम देंगे और डर के आगे जीत के मंत्र को साकार करेंगे। एआई से नौकरियों के छिन जाने का संकट अवास्तविक नहीं है। भारत में ही जब कुछ टेलीविजन चैनलों पर एआई एंकर खबरें पढ़ते दिख रहे हों, तो इस चुनौती को अनदेखा कैसे किया जा सकता है। दुनियाभर में कई कंपनियों बढ़ती श्रम लागत के मद्देनजर उत्पादन का काफी कामकाज रोबोट्स और एआई से लैस मशीनों-कंप्यूटरों के हवाले कर रही हैं। भारत में भी आईटी सेक्टर की 10 फीसदी नौकरियों पर ऑटोमेशन यानी खुद काम करने वाली मशीनों के कारण खत्म होने का खतरा मंडरा रहा है। इंफोसिस के पूर्व अधिकारी टीवी मोहनदास पई भी कह चुके हैं कि फिलहाल हर साल दो से ढाई लाख नौकरियां पैदा कर रहे आईटी सेक्टर से हर साल 25 से 50 हजार नौकरियां एआई जनित ऑटोमेशन के कारण खत्म हो जाएंगी। वैज्ञानिक स्टीफन, मशहूर कारोबारी एलन मस्क और माइक्रोसॉफ्ट के मालिक बिल गेट्स तक मानते हैं कि आने वाले वक्त में इंसानों को एआई से लैस सुपर-स्मार्ट मशीनों से चुनौती मिल सकती है। एआई की मदद से जब बेहद अक्लमंद मशीनें तैयार हो जाएंगी- तो ज्यादातर कारोबारी इंसानों के स्थान पर चौबीसों घंटे तैनात रहने वाली एआई-मशीनों पर निर्भर होना पसंद करेंगे।

हालांकि हो सकता है कि इसमें आगे चलकर स्थिरता आए और एआई के जानकारों की बदौलत नई नौकरियों का सृजन हो। कुछ क्षेत्रों में अभी से एआई के बेशुमार फायदे नजर आने लगे हैं। जैसे चिकित्सा विज्ञान के विकास में इसके सकारात्मक इस्तेमाल की बहुत-सी संभावनाएं हैं। यही वजह रही कि जब वर्ष 2023 में ब्रिटेन ने 'एआई सुरक्षा शिखर सम्मेलन' का आयोजन किया था, तो वहां के तत्कालीन प्रधानमंत्री ऋषि सुनक एआई को बहुतेरे क्षेत्रों में मददगार तकनीक के रूप में देखने और सतर्क ढंग से इसके इस्तेमाल की वकालत करते नजर आए थे। ध्यातव्य है कि यदि किसी तकनीक के फायदे-नुकसान की तस्वीर साफ होने से पहले ही उसे खलनायक मान लिया जाता तो परमाणु ऊर्जा से लेकर कंप्यूटर-इंटरनेट जैसे असंख्य आविष्कार मानवता की सेवा और बेहतरी का वह काम कभी नहीं कर पाते, जैसा कि वे आज कर रहे हैं। हालांकि, एआई की समस्याएं कुछ दूसरी हैं।

वैलेंटाइन डे का हर दिन होता है प्यार को बढ़ावा देने वाला

14 फरवरी को वैलेंटाइन डे मनाया जा रहा है। हालांकि प्यार के सप्ताह की शुरुआत 7 फरवरी से होती है। 7 फरवरी से 14 फरवरी तक वैलेंटाइन सप्ताह मनाया जाता है, जिसका हर दिन प्यार को बढ़ावा देने वाला होता है। जिसे आप पसंद करते हैं, उसे गुलाब का फूल, टेडी और चॉकलेट देकर इम्प्रेस करते हैं तो वहीं प्रपोज और प्रॉमिस के साथ प्यार को जाहिर करने की कोशिश करते हैं। इन सभी चरणों से होते हुए प्यार परवान चढ़ता है। वैलेंटाइन वीक के लिए बाजार सज चुके हैं। फूलों की दुकानें गुलाब से गुलजार हैं। वैलेंटाइन सप्ताह का एक दिन खास गुलाब के नाम होता है।

वैलेंटाइन वीक

7 फरवरी से 14 फरवरी तक वैलेंटाइन वीक मनाया जाता है। वैलेंटाइन सप्ताह के पहले दिन यानी 7 फरवरी को रोज डे मनाया जाता है। इस दिन आप अपने पार्टनर, दोस्त या किसी खास को गुलाब का फूल देकर अपनी भावनाएं व्यक्त कर सकते हैं।

रोज डे का इतिहास

वैलेंटाइन सप्ताह में रोज डे मनाने की एक खास वजह है। मुगल बेगम नूरजहां को लाल गुलाब पसंद थे। जहांगीर नूरजहां को खुश करने के लिए रोजाना एक टन ताजे लाल गुलाब उनके महल भेजा करते थे। उनकी यह प्रेम कहानी काफी प्रसिद्ध हो गई। इसके अलावा एक कहानी महारानी विक्टोरिया के दौर की है। जब लोग अपनी भावनाएं जताने के लिए गुलाब का फूल एक दूसरे को देते थे। इसी परंपरा को जारी रखने के लिए वैलेंटाइन सप्ताह का एक दिन रोज डे के तौर पर मनाया जाता है।

गुलाब के हर रंग का होता है खास मतलब

लाल गुलाब

लाल रंग प्यार का, सुहाग का प्रतीक होता है। शादीशुदा महिलाएं पति की लंबी उम्र के लिए लाल रंग का जोड़ा, लाल रंग का सिंदूर और लाल चूड़ियां पहनती हैं। वहीं लाल रंग का गुलाब भी इसी तरह के प्यार को दर्शाता है। अगर आप अपने साथी को रोज डे पर गुलाब देना चाहते हैं तो लाल रंग सबसे उपयुक्त रहेगा। लाल रंग का फूल प्यार की गहराई को दर्शाएगा। वहीं अगर आप किसी से इजहार ए मुहब्बत करना चाहते हैं तो भी लाल रंग का फूल उन्हें तोहफे में दें।

भावनाओं के मुताबिक करें रंग का चयन

पीला गुलाब

रोज डे पर पीले रंग का गुलाब भी दिया जा सकता है। पीला फूल दोस्ती का प्रतीक होता है। अगर आप किसी से दोस्ती करना चाहते हैं तो इस दिन का इंतजार करें। पीला गुलाब देकर उनसे दोस्ती करना चाहते हैं ये जाहिर कर दें। अगर साथी आपके गुलाब को मंजूर कर लेता है तो समझिए उसने आपकी दोस्ती को स्वीकार कर लिया यहां से दोस्ती की नई शुरुआत होती है। पीला गुलाब किसी रिश्ते की शुरुआत का भी प्रतीक है। दरअसल कोई भी रिश्ता मजबूत तब होता है, जब उसमें मैत्रीपूर्ण भावनाएं शामिल हों।

गुलाबी गुलाब

पिंक गुलाब देखने में तो खूबसूरत लगता ही है, साथ ही इसके रंग का भी खास अर्थ होता है। पिंक गुलाब उन्हें दिया जा सकता है, जो आपके जीवन में खास हों। यह रंग प्यार व रिश्ते की गहराई का अहसास दिलाने या अहमियत को जाहिर करने का प्रतीक है। आप अपने बेस्ट फ्रेंड को पिंक गुलाब दे सकते हैं। धन्यवाद बोलना चाहते हैं तो भी पिंक रोज देकर अपना आभार व्यक्त करें।

नारंगी गुलाब

नारंगी गुलाब आकर्षण का प्रतीक है। अगर आप किसी को पसंद करते हैं और उनके साथ अपने रिश्ते को दोस्ती से एक कदम आगे बढ़ाना चाहते हैं तो नारंगी रंग का गुलाब दें। इस रंग का गुलाब देकर आप सामने वाले को बता सकते हैं कि आप उन्हें पसंद करते हैं। उन्हें समझना चाहते हैं और आप दोनों के रिश्ते को अधिक वक्त देना चाहते हैं। किसी को इज्जत देने के लिए भी नारंगी गुलाब दिया जा सकता है।

हंसना मना है

एक लड़की ने अपने बॉयफ्रेंड से पूछा, तुम्हें खुशी मिलती है जब मैं रोती हूं? उसने जवाब दिया, नहीं, मुझे उस वक्त खुशी मिलती है। जब तुम मुझे रोते हुए फोटो भेजती हो!

एक भिखारी को 100 का नोट मिला, वो फाइव स्टार होटेल में गया और भरपेट खाना खाया, 1500 रुपये का बिल आया, उसने मैनेजर से कहा, पैसे तो नहीं है, मैनेजर ने पुलिस के हवाले कर दिया, भिखारी ने पुलिस को 100 का नोट दिया, और छूट गया, इसे कहते हैं... फाइनेन्सियल मैनेजमेन्ट विदाउट एमबीए।

टीचर- एक टोकरी में 10 आम है , उसमें से 2 आम सड़ गए, बताओ कितने आम बचे? संजू- सर, 10 आम, टीचर- वो कैसे? संजू - सड़ने के बाद भी आम तो आम ही रहेगा ना, केले तो बन नहीं जायेंगे, आज संजू एक वकील है।

कहानी — मां की महिमा

मां की महिमा का बखान जितना भी किया जाए वो कम है। मां के प्यार का कर्ज कोई नहीं चुका सकता और मां की जरूरत क्या है, इसे स्वामी विवेकानंद ने बखूबी समझाया है। एक बार किसी व्यक्ति ने स्वामी विवेकानंद जी से सवाल किया, दुनिया में मां की महिमा इतनी क्यों है और इसका कारण क्या है? इस सवाल को सुनने के बाद स्वामी जी के चेहरे पर मुस्कान फैल गई। इस सवाल का जवाब देने के लिए उन्होंने उस व्यक्ति के सामने एक शर्त रखी। विवेकानंद जी की शर्त के अनुसार उस व्यक्ति को 5 किलो के पत्थर को एक कपड़े में लपेट कर उसे अपने पेट पर 24 घंटे तक बांधना था और फिर स्वामी जी के पास जाना था। इसके बाद उसे अपने सवाल का जवाब स्वामी विवेकानंद जी से मिलना था। स्वामी जी के कहे अनुसार उस व्यक्ति ने एक पत्थर को अपने पेट पर बांधा और वहां से चला गया। अब उसे पत्थर बांधे-बांधे ही अपना सारा दिनभर का काम करना था, लेकिन उसके लिए ऐसा करना मुश्किल हो रहा था। पत्थर के बोझ के कारण वह जल्दी थक गया। दिन तो जैसे-तैसे गुजर गया, लेकिन शाम होते-होते उसकी हालत खराब हो गई। जब उससे रहा नहीं गया, तो वह सीधा स्वामी जी के पास गया और बोला, स्वामी जी मैं इस पत्थर को ज्यादा समय तक बांधकर नहीं रख सकता। सिर्फ एक सवाल का जवाब जानने के लिए मैं इतना कष्ट नहीं सह सकता। उस व्यक्ति की बात सुनकर स्वामी जी मुस्कुराते हुए बोले, तुम 24 घंटे भी पत्थर का भार संभाल नहीं सके और मां अपनी कोख में बच्चे को नौ महीने तक रखती है और सभी तरह के काम करती है। इसके बाद भी उसे जरा भी थकान महसूस नहीं होती। इस पूरे संसार में मां जैसा और कोई नहीं है, जो इतना शक्तिशाली और सहनशील हो। मां तो शीतलता और सहनशीलता की मूरत है। मां से बढ़कर इस दुनिया में कोई नहीं है।

कहानी से सीख: स्वामी विवेकानंद जी इस कहानी के माध्यम से लोगों को यह सीख देना चाहते थे कि इस संसार में मां जितना धैर्यवान और सहनशील कोई और नहीं है। मां से बढ़कर इस दुनिया में कुछ नहीं हो सकता।

7 अंतर खोजें

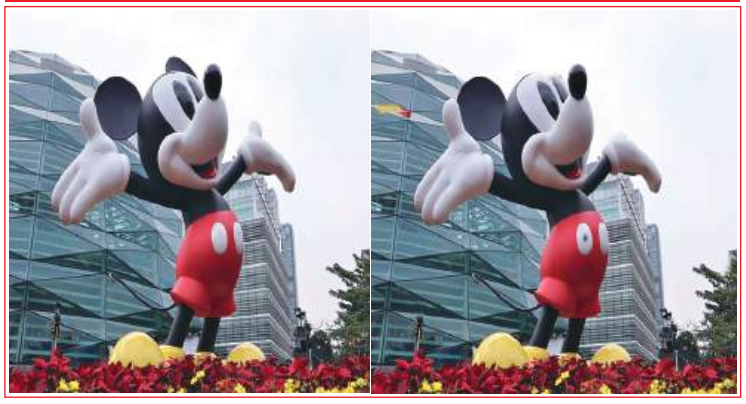

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — कोर्ट-कचहरी में अनुकूलता रहेगी। पूजा-पाठ में मन लगेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। झंझटों में न पड़ें। उधार दिया धन मिलने से राहत हो सकती है। वाहन सावधानी से चलाएं।

वृषभ — चोट, चोरी व विवाद से हानि संभव है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। कुसंगति से हानि होगी। अपने काम से काम रखें। स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही न करें।

मिथुन — राजकीय बाधा दूर होकर लाभ होगा। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। क्रोध पर नियंत्रण रखें। लाभ होगा। रुके हुए काम समय पर पूरे होने से आत्मविश्वास बढ़ेगा।

कर्क — भूमि व भवन संबंधी कार्य लाभ देंगे। रोजगार मिलेगा। शत्रु भय रहेगा। निवेश व नौकरी लाभ देंगे। व्यापार अच्छा चलेगा। कार्य के विस्तार की योजनाएं बनेंगी।

सिंह — रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। विवाद न करें। सामाजिक एवं राजकीय ख्याति में अभिवृद्धि होगी।

कन्या — उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। शत्रु सक्रिय रहेंगे। शोक समाचार मिल सकता है। थकान महसूस होगी। व्यावसायिक चिंता रहेगी। संतान के व्यवहार से कष्ट होगा।

तुला — रोमांस में समय बीतेगा। मेहनत का फल मिलेगा। कार्यसिद्धि से प्रसन्नता रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। परिवार में प्रसन्नता का वातावरण रहेगा।

वृश्चिक — अतिथियों का आवागमन रहेगा। उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी। स्वाभिमान बना रहेगा। नई योजनाओं की शुरुआत होगी। संतान की प्रगति संभव है।

धनु — बेरोजगारी दूर होगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। जोखिम न लें। क्रोध एवं उतेजना पर संयम रखें। सत्कार्य में रुचि बढ़ेगी।

मकर — कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। व्ययवृद्धि होगी। तनाव रहेगा। अपरिचितों पर विश्वास न करें। प्रयास में आलस्य व विलंब नहीं करना चाहिए। विरोधी परास्त होंगे।

कुम्भ — दिन प्रेमभरा गुजरेगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। रुका हुआ धन मिलेगा। प्रसन्नता रहेगी। जल्दबाजी न करें। प्रियजनों से पूरी मदद मिलेगी। धन प्राप्ति के योग हैं।

मीन — नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। मान-सम्मान मिलेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सावधानी रखें। कार्यक्षमता एवं कार्यकुशलता बढ़ेगी।

कार्तिक आर्यन के साथ रोमांस करेंगी श्रीलीला!

श्रीलीला कई फिल्मों के जरिए अपनी खास पहचान बना चुकी हैं। अब खबर है कि वह बॉलीवुड अभिनेता कार्तिक आर्यन के साथ रोमांटिक फिल्म में नजर आने वाली हैं, जिसका पहले नाम आशिकी 3 बताया जा रहा था। हालांकि, अब फिल्म का नाम आशिकी 3 नहीं है, क्योंकि इस शीर्षक पर विवाद जारी है। ऐसे में फिल्म के शीर्षक को लेकर आधिकारिक एलान होना बाकी है। वहीं, अब फिल्म की मुख्य नायिका को लेकर दिलचस्प जानकारी सामने आई है। इससे पहले खबर थी कि फिल्म में अभिनेत्री तृप्ति डिमरी की लिया गया था। हालांकि, बाद में कुछ कारणों से फिल्म से बाहर हो गईं। तृप्ति के फिल्म से बाहर होने को लेकर कई धारणाएं बनाई गईं कि किरदार के मासूम चेहरे की मांग के कारण तृप्ति को बाहर किया गया है, क्योंकि वह रणबीर कपूर की फिल्म एनिमल में अपने प्रदर्शन के कारण फैंस के बीच बोल्ड इमेज बना चुकी हैं। हालांकि, अनुराग बसु ने इन बातों का खंडन करते हुए कहा था कि ये बातें सच नहीं हैं और तृप्ति भी यह जानती हैं। फिल्म की अभिनेत्री बनीं श्रीलीला अब फिल्म के लिए नई अभिनेत्री को चुन लिया गया है। रिपोर्ट्स के अनुसार, निर्देशक अनुराग बसु की मुख्य महिला अभिनेत्री की तलाश आखिरकार श्रीलीला पर आकर रुकी। प्रोडक्शन से जुड़े एक करीबी सूत्र का कहना है कि यह प्रोजेक्ट उनके पास गया था और वह अपनी दूसरी बॉलीवुड फिल्म का हिस्सा बनने के लिए बेहद उत्साहित हैं। तृप्ति डिमरी के बाहर होने के बाद से यह फिल्म चर्चा में थी, जिसके कारण फिल्म की टीम ही जानती है। अनुराग बसु की अगली फिल्म पहले से ही काफी चर्चा बटोर रही है और कलाकारों के बारे में अटकलें केवल उत्साह को बढ़ाती हैं।

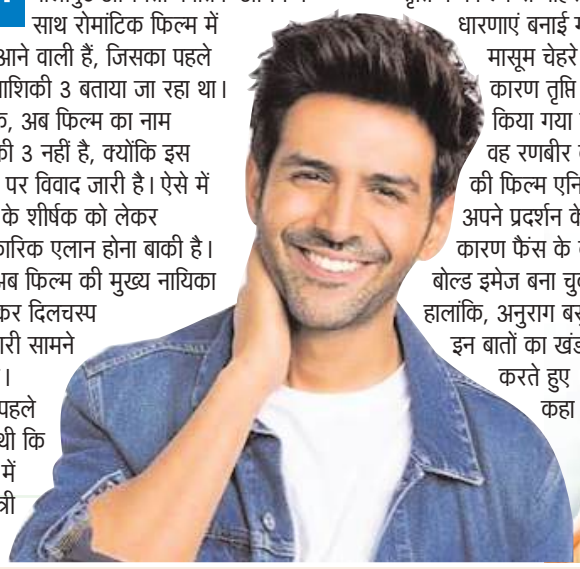

कंगना की इमरजेंसी देख गदगद हुईं मृणाल ठाकुर

मृणाल ठाकुर ने कंगना रनौत की फिल्म इमरजेंसी देखी। इसके बाद उन्होंने एक ट्रोल द्वारा इसे प्रोपेगैंडा फिल्म कहे जाने के बाद कंगना का बचाव किया। मृणाल ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर कंगना की तारीफ की है।

मृणाल ठाकुर ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर कंगना रनौत की तस्वीर शेयर कर उनकी तारीफ की है। उन्होंने लिखा, ‘मैंने अभी-अभी अपने पिता के साथ सिनेमाघरों में इमरजेंसी देखी और मैं अभी भी उस अनुभव से उबर नहीं पाई हूं! कंगना रनौत की बहुत बड़ी प्रशंसक होने के नाते, मैं इस फिल्म को बड़े पर्दे पर देखने का बेसब्री से इंतजार कर रही थी और यह एक बेहतरीन फिल्म थी।

मृणाल ने लिखा, गैंगस्टर से लेकर क्वीन, तनु वेड्स मनु से लेकर मणिकर्णिका, थलाइवी और अब इमरजेंसी तक कंगना लगातार अपनी सीमाओं को लांघकर काम करती जाती हैं। इस फिल्म में कंगना का निर्देशन और अदाकारी दोनों शानदार हैं। कंगना, आप सिर्फ एक अभिनेता नहीं हैं। आप एक सच्ची कलाकार और प्रेरणा हैं। उनकी चुनौती पूर्ण भूमिकाएं हमेशा सबको प्रेरित करती हैं।

कंगना रनौत और उनकी फिल्म की पूरी टीम ने एक बहुत शानदार मास्टर पीस बनाया है। मैं इसे बड़े पर्दे पर देख सकी, ये मेरे लिए बहुत बड़ी बात है। मैं आपकी तारीफ करना कभी बंद नहीं करूंगी। कंगना की फिल्म को लेकर मृणाल ने कहा कि पटकथा, संवाद, संगीत और संपादन बहुत अच्छे और अट्रैक्टिव हैं। उन्होंने फिल्म में नजर आए सभी कलाकारों की तारीफ की है। उन्होंने लिखा, अभिनेता ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया।

बॉलीवुड | गपशप

बॉलीवुड | मन की बात

जया बच्चन ने सरकार से फिल्म इंडस्ट्री पर दया करने की अपील की

समाजवादी पार्टी की सदस्य और बॉलीवुड की जानी-मानी अभिनेत्री जया बच्चन ने मंगलवार को राज्यसभा में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से फिल्म इंडस्ट्री के लिए सहानुभूति दिखाने और इसे जीवित रखने के लिए कुछ प्रस्ताव लाने की अपील की। उन्होंने कहा कि फिल्म इंडस्ट्री को सरकार पूरी तरह से नजरअंदाज कर रही है। इससे दैनिक वेतन वाले श्रमिकों का अस्तित्व मुश्किल में आ गया है। 2025-26 के केंद्रीय बजट पर सामान्य चर्चा के दौरान जया बच्चन ने कहा कि पहले भी अन्य सरकारों ने फिल्म इंडस्ट्री को नजरअंदाज किया, लेकिन इस बार सरकार ने इसे एक नए स्तर पर ले जाकर इंडस्ट्री को पूरी तरह से उपेक्षित कर दिया है। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा, आप केवल इस इंडस्ट्री का उपयोग अपने राजनीतिक फायदे के लिए करते हैं। आपने इस इंडस्ट्री को पूरी तरह से नजरअंदाज कर दिया है। दूसरी सरकारें भी ऐसा कर रही थीं, लेकिन आप इसे अगले स्तर तक लेकर गए हैं। जया बच्चन ने आगे कहा, आजकल सबकुछ महंगा हो गया है और लोग सिनेमाघरों में जाने से बच रहे हैं। नतीजतन, सिंगल स्क्रीन थिएटर बंद हो रहे हैं। शायद आप चाहते हैं कि यह इंडस्ट्री पूरी तरह से बंद हो जाए? यह वही उद्योग है जो भारत को दुनियाभर में पहचान दिलाता है। जया बच्चन ने फिल्म इंडस्ट्री के समर्थन में अपनी आवाज उठाते हुए कहा, मैं अपनी फिल्म इंडस्ट्री की ओर से बोल रही हूं और ऑडियो-विजुअल इंडस्ट्री की ओर से इस सदन से अनुरोध कर रही हूं कि कृपया उन्हें छोड़ दें। कृपया उन पर कुछ दया करें। आप इस इंडस्ट्री को खत्म करने की कोशिश कर रहे हैं। कृपया ऐसा न करें। आज आपने सिनेमा को भी निशाना बनाना शुरू कर दिया है। उन्होंने वित्त मंत्री से यह मुद्दा गंभीरता से लेने की अपील की और कहा कि यह एक बहुत ही कठिन और चुनौतीपूर्ण उद्योग है। मैं अनुरोध करती हूं कि वित्त मंत्री इस उद्योग की कठिनाइयों को समझें और इसे बचाने के लिए कुछ ठोस कदम उठाएं।

ये तीनों भाई सोकर उठते तो नागौर में लेकिन नहाने जाते हैं जयपुर

नागौर। राजस्थान के नागौर जिले में तीन भाई ऐसे हैं जिनका एक ही घर दो जिलों में है। इनका आधा घर नागौर तो आधार घर जयपुर में है। तीनों भाई रोज सुबह उठते नागौर में है लेकिन नहाने के लिए जयपुर जिले में आते हैं। यह सुनने में बड़ा अजीब लग रहा है। लेकिन, बिल्कुल यह सही है। नागौर (डीडवाना-कुचामन) जिले और जयपुर जिले की सीमा पर एक ऐसा मकान है, जहां मकान नागौर जिले में है और प्रवेशद्वार जयपुर जिले में खुलता है। मकान की दहलीज के सामने सड़क के एक ओर नागौर जिला लगता है और दूसरी तरफ जयपुर जिला है। यानी घर जयपुर और नागौर की सीमा पर बना हुआ है। मजेदार बात यह है कि एक ही घर में तीनों भाई अलग-अलग जिलों के हैं। वे रोज एक दूसरे से मिलते हैं। जब मन करता है 2 मिनट में मिलने आ जाते हैं। आपको बता दें मुनाराम चोपड़ा का घर नागौर जिले में है। चोपड़ा का आधिकारिक सरकारी रिकॉर्ड भी नागौर जिले में ही दर्ज है, जबकि उसके भाई सुवाराम और कानाराम के दस्तावेज जयपुर जिले के हैं। जिले के चौसला गांव से तीन किमी दूर दोनों जिलों की सीमा पर जयपुर जिले के त्योद गांव के रहने वाले सुवाराम ने 2010 में खेत की जमीन खरीदी थी। फिर यहीं घर बना लिया। सुवाराम के साथ दो भाई भी परिवार सहित रहते हैं।

नागौर निवासी मुनाराम चोपड़ा ने बताया कि वे सुबह उठते नागौर जिले में और चाय के लिए दूध लेने के लिए जयपुर जिले में जाते हैं। उन्होंने बताया कि मेरा घर जयपुर और नागौर की अंतिम सीमा पर है, घर से दोनों जिला मुख्यालय बहुत दूर है। ऐसे में कागजात संबंधित काम होने पर जिला मुख्यालय जमा पड़ता है जो, बहुत दूर है।

अजब-गजब | इस शहर को कहा जाता है रेगिस्तान का मैनहट्टन

1700 पुराने इस शहर में मिट्टी के बने हैं अपार्टमेंट, रह रहे हैं करीब सात हजार लोग

सामान्य ज्ञान ऐसा विषय है, जिसे जितना भी पढ़ा जाए, कम है। हालांकि ये बेहद महत्वपूर्ण भी है क्योंकि स्कूल से लेकर नौकरी तक में इसकी जरूरत पड़ती ही है। वैसे में आसपास की चीजों के बारे में जानकारी रखने से हमारे ज्ञान में वृद्धि होती है। आज इस रिपोर्ट में हम एक ऐसा सवाल लेकर आए हैं जिसका जवाब देना ज्यादा मुश्किल नहीं है, लेकिन फिर भी कई लोग इसका जवाब देने में लोग सिर खुजाने लगते हैं।

अगर हम आपसे कहें कि दुनिया का ऐसा कौन सा शहर है जहां सभी बहुमंजिला इमारतें मिट्टी से बनी हुई हैं, तो क्या आप जवाब दे पाएंगे? शायद आपको कल्पना भी नहीं कि ऐसा भी शहर हो सकता है, जहां पर 6 मंजिला और 7 मंजिला इमारतें भी बनाने में भी सीमेंट नहीं बल्कि मिट्टी का इस्तेमाल ही किया जाता हो।

अगर आपने अपने दिमाग के घोड़े दौड़ा लिए हों, तो चलिए उत्तर पर आते हैं। ये शहर है मिडल ईस्ट सिटी यमन में। यमन के हद्रामौत क्षेत्र में स्थित शिबाम शहर वो जगह है, जहां के सभी घर मिट्टी के बने हैं। इस शहर को रेगिस्तान का मैनहट्टन भी कहा जाता है।

यह शहर लगभग 1700 साल पुराना है और 1982 में यूनेस्को ने इसे विश्व धरोहर स्थल के रूप में मान्यता दी थी। भले ही ये सुनने में अविश्वसनीय लगे लेकिन यहां मिट्टी से बनी कई बहुमंजिला इमारतें हैं। शिबाम में इमारतें न केवल ऊंची हैं, बल्कि उनका डिजाइन भी बहुत आकर्षक है।

शहर की सुरक्षा का भी पूरा ख्याल रखा गया है। शहर एक आयताकार ग्रिड में व्यवस्थित है और एक दीवार से सिक्योर किया गया है। यह प्रणाली निवासियों को दुश्मन के हमलों से बचाती है।

मिट्टी से बनी इन गगनचुम्बी इमारतों को देखकर कोई भी आश्चर्यचकित रह जाएगा। शिबाम सिर्फ एक शहर नहीं है, बल्कि ये मानव सभ्यता का एक अनूठा उदाहरण भी है। वर्तमान में इस शहर में लगभग सात हजार लोग रहते हैं।

विज-मीणा को नोटिस से गरमाई सियासत

कांग्रेस समेत पूरे विपक्ष ने भाजपा पर उठाए सवाल

» कारण बताओ नोटिस के दोनों नेताओं ने दिए जवाब

» आलाकमाना को और कुछ चाहिए तो वो भी बताएं : अनिल विज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अंबाला (हरियाणा)। भाजपा में राजस्थान व हरियाणा के दो दिग्गज नेताओं ने पार्टी द्वारा भेजे गए नोटिस का जवाब दे दिया है। बता दें राजस्थान में किरोड़ी लाल मीणा व हरियाणा में अनिल विज ने अपनी-अपनी सरकारों पर जमकर हमला बोला था जिसे संज्ञान लेते हुए पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने उनको नोटिस दी थी। उनके उठाए गए मामलों को लेकर सियासी गर्माहट भी बनी हुई है। कांग्रेस ने इस मामले पर भाजपा पर सवाल भी उठाए हैं।

इस बीच हरियाणा सरकार के मंत्री अनिल विज ने पार्टी की तरफ से दिए कारण बताओ नोटिस का जवाब दे दिया है। विज ने आठ पन्नों में अपना जवाब दिया है। विज ने कहा कि मैं तीन दिन से बेंगलुरु में था। कल घर आकर पहले नहाया फिर खाना खाया और उसके बाद बैठ कर नोटिस का जवाब दिया। नोटिस का जवाब समय से पहले दे दिया है। मैंने इस चिट्ठी में लिखा है कि अगर और किसी बात का जवाब चाहिए तो वो भी देने को तैयार हूं। वहीं इस समय राजस्थान सरकार में मंत्री किरोड़ी लाल मीणा सुर्खियों में हैं। उन्होंने सरकार पर फोन टैपिंग का आरोप लगाया हुआ था। इस पर उनको बीजेपी ने नोटिस दिया, जिसका जवाब भी वो बुधवार को दे चुके हैं। इस पूरे मसले पर मीडिया उनका बयान लेना चाह रही थी। तभी उन्होंने फिर कुछ ऐसा किया कि नई चर्चा शुरू हो गई। अब विज के जवाब पर ही पार्टी की अगली कार्रवाई टिकी है। जानकार कहते हैं कि यदि विज अपने बयानों पर खेद जताते हैं तो पार्टी उन्हें चेतावनी देकर इस मामले को यही खत्म कर देगी। कार्रवाई के तौर पर पार्टी उनसे मंत्री पद वापस ले सकती है। पार्टी सूत्रों का कहना है कि विज को नोटिस देने के पीछे एक कारण यह भी है कि बाकी लोगों को भी एक कड़ा संदेश देना चाहती है। मंत्रिमंडल में सैनी से सीनियर कई मंत्री हैं। ऐसे में आगे कोई इस तरह की घटना न हो, इसलिए पार्टी की ओर से कार्रवाई की गई है।

पति-पत्नी के बीच की बातें कोई नहीं बताता : मीणा

चाय पीने के बाद किरोड़ी लाल मीणा ने मीडिया में बयान दिया कि पति-पत्नी के बीच की बातें कोई नहीं बताता है। नाराजगी तो पत्नी गोलमा से भी हो जाती है। अंत में तो साथ में बैठना पड़ता है। गोलमा देवी मुझसे चुप रहने के लिए कहती हैं। फिर भी साथ में बैठना पड़ता है। पार्टी ने मुझसे जवाब मांगा था, वो मैंने दे दिया है। सार्वजनिक रूप से मुझसे गलती हुई थी। उसके बारे में बता दिया है। किरोड़ी ने बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ को ई-मेल के जरिए नोटिस का जवाब भेज दिया है। जवाब में किरोड़ी ने फोन टैपिंग से जुड़े तथ्य भेजे हैं। साथ ही कहा है कि सार्वजनिक कार्यक्रम में उन्होंने फोन टैपिंग वाली बात कही थी। इसी दौरान किसी ने वीडियो वायरल कर दिया। अपने जवाब के साथ किरोड़ी ने यह भी लिखा है कि मैं पार्टी का अनुशासित सिपाही हूं। हमेशा पार्टी के लिए काम किया है।

खुद के मंत्री का आरोप साधारण बात नहीं, सच आना चाहिए बाहर : पायलट

कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने फोन टैपिंग के मुद्दे पर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि जब सरकार का एक मंत्री खुद यह आरोप लगा रहा है कि उसका फोन टैप हो रहा है, तो यह कोई मामूली बात नहीं है। उन्होंने मांग करते हुए कहा कि सरकार को इस पर सदन में स्पष्ट जवाब देना चाहिए और मामले की निष्पक्ष जांच करानी चाहिए।

सरकार को जारी करना चाहिए व्हाइट पेपर

सचिन पायलट ने कहा कि अगर कोई आम नागरिक यह आरोप लगाता, तो एक बार समझा जा सकता था, लेकिन जब सरकार का ही एक मंत्री यह कहता है कि उसका फोन टैप हो रहा है और उसके पास प्रमाण हैं, तो सरकार को इस पर जवाब देना चाहिए। यह कोई निजी मामला नहीं है, बल्कि सरकार की पारदर्शिता और जनता के अधिकारों से जुड़ा गंभीर मुद्दा है। पायलट ने कहा कि यह मामला सिर्फ पार्टी स्तर की कार्रवाई से नहीं सुलझेगा। सरकार को चाहिए कि वह इस पर सफाई दे और एक व्हाइट पेपर जारी करे, ताकि जनता को सच्चाई पता चल सके। उन्होंने कहा कि सरकार का कोई भी मंत्री, जब सार्वजनिक रूप से यह आरोप लगाता है, तो इसका मतलब है कि सरकार खुद पर सवाल उठा रही है।

चैंपियंस ट्रॉफी से पहले भारत ने दिखाया दम

» इंग्लैंड का वनडे सीरीज में 3-0 से किया सूपड़ा साफ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अहमदाबाद। भारत ने इंग्लैंड को तीसरे वनडे में 142 रन से हराकर 3-0 से सीरीज अपने नाम कर ली। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने शुभमन गिल की शतकीय, विराट कोहली और श्रेयस अय्यर की अर्धशतकीय पारियों की बदौलत 50 ओवर में 10 विकेट पर 356 रन बनाए। जवाब में इंग्लैंड की टीम 34.2 ओवर में 10 विकेट खोकर सिर्फ 214 रन बना सकी। भारत की यह इंग्लैंड पर दूसरी सबसे बड़ी जीत है। इससे पहले टीम इंडिया ने 2008 में इंग्लैंड को राजकोट में 158 रन से हराया था।

गिल के 112 और अय्यर के 87 रन की बदौलत आखिरी वनडे में 142 रन से दी मात

रोहित शर्मा की टीम ने इंग्लैंड का सूपड़ा साफ कर चैंपियंस ट्रॉफी से पहले अपना दम दिखा दिया है। लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंग्लैंड की शुरुआत अच्छी हुई। फिल सॉल्ट और बेन डकेट के बीच पहले विकेट के लिए 60 रनों की साझेदारी हुई जिसे अर्शदीप सिंह ने तोड़ा। इसके बाद मोर्चा टॉम बैंटन और जो रूट ने संभाला। दोनों के बीच 46 रनों की साझेदारी हुई। हालांकि, यह साझेदारी कुलदीप यादव ने बैंटन को अपना शिकार बनाकर इसे तोड़ दिया। इसके बाद इंग्लैंड का कोई भी बल्लेबाज टिक कर नहीं खेल सका। भारत की ओर से गिल ने 102 गेंदों पर 14 चौकों और तीन छक्कों की मदद से 112 रन बनाए, जबकि श्रेयस ने 78 रन और कोहली ने 52 रनों की पारी खेली। पांचवें नंबर पर उतरे केएल राहुल 40 रन बनाकर आउट हुए।

चैंपियंस ट्रॉफी के लिए प्रतियोगिता दूत बने शिखर धवन

दुबई। भारतीय टीम के पूर्व बल्लेबाज शिखर धवन को 19 फरवरी से पाकिस्तान और दुबई में होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी के लिए प्रतियोगिता का दूत बनाया गया है। कुल चार पूर्व खिलाड़ियों को दूत बनाया गया है जिसमें धवन भी शामिल हैं। आईसीसी ने धवन के अलावा जिन अन्य खिलाड़ियों को प्रतियोगिता दूत नियुक्त किया है उनमें पाकिस्तान के 2017 में चैंपियंस ट्रॉफी जीतने वाली टीम के कप्तान सरफराज अहमद, ऑस्ट्रेलिया के पूर्व ऑलराउंडर शेन वॉटसन और न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज टिम साउदी शामिल हैं। यह चारों खिलाड़ी प्रतियोगिता के दौरान इस टूर्नामेंट को लेकर कॉलम लिखेंगे और मैचों में भी उपस्थित रहेंगे। धवन ने चैंपियंस ट्रॉफी में दो बार भाग लिया और दोनों अवसरों पर उन्होंने गोल्डन बैट (टूर्नामेंट में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज को मिलने वाला पुरस्कार) हासिल किया। यह उपलब्धि हासिल करने वाले वह दुनिया के एकमात्र खिलाड़ी हैं। इन्होंने चैंपियंस ट्रॉफी में सर्वाधिक 701 रन बनाए हैं। उन्हें 2013 में खेली गई चैंपियंस ट्रॉफी में टूर्नामेंट का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया था।

आप और कांग्रेस साथ लड़ते तो भी यही आते नतीजे : संदीप दीक्षित

» कांग्रेस नेता ने कहा- जनता ने किसी को हराने के लिए वोट नहीं दिया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी की हार और भाजपा की जीत के बाद कांग्रेस नेता संदीप दीक्षित ने कहा कि दिल्ली की जनता ने किसी को हराने के लिए वोट नहीं दिया, बल्कि अरविंद केजरीवाल को हटाने का फैसला पहले ही कर लिया था। उन्होंने आगे कहा कि अगर आम आदमी पार्टी और कांग्रेस साथ मिलकर चुनाव लड़ते तो भी नतीजे अलग नहीं होते, बल्कि और भी बुरे हो सकते थे। जनता ने यह ठान लिया था कि अरविंद केजरीवाल को सत्ता से बाहर करना है।

अगर उनके साथ सात-आठ क्या 10 पार्टियां भी आ जातीं तो भी वे हारते। उन्होंने अरविंद केजरीवाल की हार के पीछे उनके कुशासन और भ्रष्टाचार को मुख्य कारण बताया। संदीप दीक्षित ने कहा कि आम आदमी पार्टी सरकार ने पिछले तीन वर्षों में कई गलत काम किए, जिनकी वजह से जनता ने उनके खिलाफ वोट डाला। अगर उन्हें सत्ता में बने रहना था, तो उन्हें हमारी पार्टी (कांग्रेस) को गाली नहीं देनी चाहिए थी। कांग्रेस नेता ने कहा कि केजरीवाल सरकार की नीतियों और भ्रष्टाचार को लेकर जनता में गुस्सा था, जिसका नतीजा चुनाव में देखने को मिला। भाजपा ने शीशमहल और कुछ अन्य मुद्दे उठाए, लेकिन सिर्फ इनसे सरकारें नहीं बदलतीं। इस बार लोगों ने आम आदमी पार्टी के कुशासन और भ्रष्टाचार के खिलाफ वोट दिया है। संदीप दीक्षित ने इस बात को भी खारिज कर दिया कि अगर कांग्रेस और आम आदमी पार्टी गठबंधन में होते, तो चुनाव परिणाम अलग होते।

कांग्रेस को गालियां देना बंद करें

उन्होंने कहा कि अगर केजरीवाल को इस हार से बचना था, तो उन्हें गलत काम करने से बचना चाहिए था। विपक्ष और कांग्रेस नेताओं को गालियां देना बंद करना चाहिए था। लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया और जनता ने उन्हें सबक सिखा दिया। कांग्रेस को इस चुनाव में एक भी सीट नहीं मिलने पर संदीप दीक्षित ने कहा कि पार्टी ने जो मुद्दे उठाए, उससे 'एंटी-आप' माहौल बना। हमने जनता के बीच आम आदमी पार्टी सरकार के भ्रष्टाचार के मुद्दे उठाए।

कोर्ट से अमानतुल्लाह को मिली राहत

» 24 तक गिरफ्तारी पर लगाई रोक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आप विधायक अमानतुल्लाह खान ने राऊज एवेन्यू कोर्ट में अग्रिम जमानत याचिका दायर की थी। राउज एवेन्यू कोर्ट ने उन्हें राहत दी है। उनकी गिरफ्तारी पर 24 फरवरी तक रोक लगा दी है। पर उन्हें जांच में सहयोग करने को कहा है। बता दें जामिया नगर में पुलिस टीम पर हमले का कथित तौर पर नेतृत्व करने के आरोप में अमानतुल्लाह के खिलाफ एफआईआर दर्ज हुई है।

यह कार्रवाई अपराध शाखा की टीम की गिरफ्त से हत्या के प्रयास के आरोपी शाबाज खान को छुड़ाने पर की गई। दक्षिण-पूर्व जिला पुलिस उपायुक्त रवि कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस टीम देर शाम को पूछताछ करने विधायक के घर गई थी, लेकिन वह नहीं मिले। दरअसल अपराध शाखा की टीम जामिया नगर में बदमाश को पकड़ने गई थी।

वक्फ बिल रिपोर्ट रास में पेश, विपक्ष का भारी हंगामा

» कांग्रेस, टीएमसी सपा और वामपंथी दल ने लोस में किया विरोध

» सरकार पर लगाया विलोपन का आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस पार्टी के स्थगन प्रस्ताव और वक्फ (संशोधन) विधेयक पर जेपीसी की रिपोर्ट पेश होने के बाद जोरदार हंगामा हो गया। विपक्ष ने एनडीए सरकार पर जमकर हमला बोला। बात दे संसद के बजट सत्र की पहली बैठक गुरुवार को समाप्त होगी। राज्यसभा में बृहस्पतिवार को वक्फ संशोधन विधेयक संबंधी संयुक्त संसदीय समिति की रिपोर्ट पेश की गई, जिसके बाद विपक्षी दलों का भारी हंगामा देखने को मिला।

केंद्रीय मंत्री किरण रिजिजू ने कहा कि मैंने विपक्ष द्वारा उठाई गई चिंताओं की जाँच की है। रिपोर्ट में कोई विलोपन या निष्कासन नहीं है। सब कुछ सदन के पटल पर है। ऐसा मुद्दा किस आधार पर उठाया जा सकता है? केंद्रीय मंत्री ने कहा कि विपक्ष के सदस्य अनावश्यक मुद्दा बना रहे हैं, जो तथ्य नहीं है। आरोप झूठा है। जेपीसी ने पूरी कार्यवाही नियमानुसार की। जेपीसी के सभी विपक्षी सदस्यों ने पिछले 6 महीनों में सभी कार्यवाही में भाग लिया। सभी असहमति नोट रिपोर्ट के परिशिष्ट में संलग्न हैं। वे सदन को गुमराह नहीं कर सकते। वक्फ संशोधन विधेयक पर जेपीसी की रिपोर्ट पर चर्चा के बीच विपक्ष ने राज्यसभा से वॉकआउट किया।

रिजिजू ने कहा- जांच हुई है कुछ गलत नहीं

वक्फ बोर्ड पर जेपीसी की रिपोर्ट असहमति रिपोर्ट है : खरगे

विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि वक्फ बोर्ड पर जेपीसी की रिपोर्ट में कई सदस्यों की असहमति रिपोर्ट है। उन नोटों को हटाना और हमारे विचारों को कुचलना सही नहीं है। यह लोकतंत्र विरोधी है। उन्होंने कहा कि मैं असहमति रिपोर्ट को हटाकर पेश की गई किसी भी रिपोर्ट की निंदा करता हूं। हम ऐसी फर्जी रिपोर्टों को कभी स्वीकार नहीं करेंगे। यदि रिपोर्ट में असहमति के विचार नहीं हैं, तो इसे वापस भेजा जाना चाहिए और फिर से प्रस्तुत किया जाना चाहिए।

लोस अध्यक्ष ओम बिरला को सौंपी गई थी संसदीय रिपोर्ट

सुबह सदन की कार्यवाही आरंभ होने के कुछ ही देर बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की मेधा विश्राम कुलकर्णी ने समिति की रिपोर्ट सदन में पेश की। रिपोर्ट पेश होते ही कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और वामपंथी दल सहित कुछ अन्य दलों के सदस्यों ने हंगामा शुरु कर दिया। हंगामा कर रहे सदस्य आसन के निकट आ गए और नारेबाजी करने लगे। हंगामे के बीच ही सभापति जगदीप धनखड़ ने कहा कि वह राष्ट्रपति का एक संदेश सदन में पेश करना चाहते हैं। उन्होंने हंगामा कर रहे सदस्यों से अपने स्थानों पर लौट जाने और सदन में व्यवस्था बनाने की अपील की। हालांकि, इसके बावजूद हंगामा जारी रहा।

सीतारमण पेश करेंगी नया आयकर विधेयक

सरकार ने आयकर से संबंधित कानून को समेकित करने और संशोधित करने के लिए एक विधेयक को गुरुवार को लोकसभा में पेश करने के लिए सूचीबद्ध किया है।

ट्रंप के सामने पीएम टैरिफ का मुद्दा उठाएं : खरगे

» कांग्रेस अध्यक्ष ने दी मोदी को सलाह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के साथ अपनी बैठक के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से दो महत्वपूर्ण मुद्दों टैरिफ और भारतीय प्रवासियों के साथ व्यवहार को संबोधित करने का आग्रह किया। खरगे ने अमेरिकी प्रशासन द्वारा स्टील और एल्युमीनियम आयात पर 25प्रतिशत टैरिफ लगाने पर प्रकाश डाला, इस बात पर जोर दिया कि इस तरह के उपायों से भारत के विनिर्माण पर गंभीर असर पड़ेगा।

भारतीय नागरिकों के अपमान पर भी करें बात

खरगे ने कहा कि किसी भी देश के लिए कोई छूट नहीं, कोई अपवाद नहीं के साथ एल्यूमीनियम और स्टील के आयात पर 25प्रतिशत टैरिफ का भारत के विनिर्माण पर गंभीर प्रभाव पड़ता है। यह देखते हुए कि अमेरिका हमारे सबसे बड़े व्यापारिक साझेदारों में से एक है, हमें पारस्परिक रूप से लाभकारी ढांचे के साथ दोनों देशों के लिए घनिष्ठ व्यापार संबंध बनाने चाहिए। बता दें राष्ट्रपति ट्रम्प ने स्टील और एल्युमीनियम पर आयात शुल्क में बिना किसी अपवाद या छूट के 25 प्रतिशत की वृद्धि की। व्हाइट हाउस ने एक प्रेस नोट में कहा कि राष्ट्रपति ट्रम्प अनुचित व्यापार प्रथाओं और स्टील और एल्यूमीनियम की वैश्विक डंपिंग को समाप्त करने के लिए कार्रवाई कर रहे हैं। इस निर्णय पर कड़ी वैश्विक प्रतिक्रियाएं आईं। यूरोपीय संघ ने जवाबी कदमों को लागू करने की कसम खाई है, जबकि कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने टैरिफ को पूरी तरह से अनुचित करार दिया और कड़ी प्रतिक्रिया की कसम खाई। खरगे ने यह भी कहा कि अमेरिका से भारतीय अप्रवासियों के निर्वासन ने स्वाभाविक रूप से सभी भारतीयों के बीच गहरी चिंता पैदा कर दी है, जहां व्यक्तियों को हथकड़ी लगाई गई थी, पैरों में जंजीरें बांध दी गई थीं। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी को इस बात पर जोर देना चाहिए कि किसी भी भारतीय नागरिक को अपमानित नहीं किया जाना चाहिए और उसके साथ अत्यंत सम्मानपूर्वक व्यवहार किया जाना चाहिए।

क्या टैरिफ-डिपोर्टेशन को लेकर ट्रंप को मना पाएंगे पीएम

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार शाम (भारतीय समयानुसार गुरुवार सुबह) अमेरिका पहुंच गए। वाशिंगटन डीसी में एयरपोर्ट पर उनकास्वागत हुआ, फिर ब्लेअर हाउस में भी बड़ी संख्या में प्रवासी भारतीय उनसे मिलने पहुंचे। उन्होंने अमेरिका की इंटेलिजेंस डायरेक्टर तुलसी गबार्ड से भी मुलाकात की। दो दिवसीय यात्रा का यह पहला दिन तो निकल गया, लेकिन अब असल काम दूसरे दिन होना है, कल पीएम मोदी को राष्ट्रपति ट्रंप से मिलना है, यह मुलाकात कई मामलों में बेहद अहम मानी जा रही है। इस मुलाकात में मोदी और ट्रंप दोनों देशों के बीच व्यापार और रक्षा सहयोग बढ़ाने जैसे कई मुद्दों पर चर्चा कर सकते हैं, लेकिन फिलहाल भारत के लिए जो सबसे जरूरी मुद्दे हैं क्या उन पर भी बात होगी? और अगर हुई तो क्या पीएम मोदी अपने जिद्दी दोस्त ट्रंप को मना पाएंगे? यह देखना दिलचस्प होगा। यह दो मुद्दे डिपोर्टेशन और टैरिफ हैं, डिपोर्टेशन की मार तो भारत झेल ही रहा है और इसे लेकर संसद में भी खूब हल्ला मच रहा है, टैरिफ की मार अभी भारत को नहीं पड़ी है लेकिन यह कभी भी शुरू हो सकती है, ऐसे में एक्शन के पहले ही ट्रंप को साध लिया जाए, संभवतः यही पीएम मोदी की कोशिश होगी।

केंद्र हमेशा चुनाव से पहले बजट में झूठे वादे करता है : ममता

» पश्चिम बंगाल का बजट पेश, सीएम बोलीं- राज्य में आएगी खुशहाली

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकता। पश्चिम बंगाल का बजट पेश होने के बाद सीएम ममता बनर्जी ने कहा कि अगर आप ध्यान से देखें तो केंद्र हमेशा चुनाव से पहले केंद्रीय बजट में वादे करता है और चुनाव खत्म होने के बाद उनके वादे झूठे साबित होते हैं। इससे पहले राज्य की वित्त मंत्री चंद्रिमा भट्टाचार्य ने 2025-26 के लिए राज्य का बजट पेश किया, जो 3.89 लाख करोड़ रुपये का है, जिसमें सामाजिक कल्याण, ग्रामीण विकास और बुनियादी ढांचे पर महत्वपूर्ण ध्यान दिया गया है। सरकार ने अपने बजट में बुनियादी ढांचे और कृषि विकास परियोजनाओं की एक श्रृंखला का अनावरण किया है, जिसमें ग्रामीण कनेक्टिविटी, नदी कटाव नियंत्रण और कृषि सहायता पहल के लिए महत्वपूर्ण धन आवंटित किया गया है।

एक महत्वपूर्ण घोषणा में, भट्टाचार्य ने घोषणा की कि राज्य सरकार 1 अप्रैल, 2025 से महंगाई भत्ता (डीए) में चार प्रतिशत की वृद्धि करेगी। इससे राज्य कर्मचारियों के लिए कुल डीए 18 फीसदी हो जाएगा, जिससे उन्हें बढ़ती महंगाई के बीच काफी राहत मिलेगी। घाटल मास्टर प्लान के लिए 500 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं क्योंकि इस योजना को भारत सरकार द्वारा अनुमोदित नहीं किया गया है इसलिए, राज्य सरकार इस योजना को पूरा करने की जिम्मेदारी ले रही है। यह परियोजना दो साल के भीतर पूरी हो जायेगी।

अगर मेरी पत्नी आईएसआई एजेंट, तो मैं रॉ एजेंट हूं: गोगोई

» भाजपा पर भड़के उपनेता कांग्रेस लोस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। गौरव गोगोई ने भाजपा और असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा पर पलटवार किया, जिन्होंने कांग्रेस नेता की ब्रिटिश पत्नी एलिजाबेथ कोलबर्न पर पाकिस्तानी जासूसी एजेंसी आईएसआई के साथ संबंध रखने का आरोप लगाया था। गौरव गोगोई ने उनके आरोपों को हास्यास्पद बताते हुए खारिज कर दिया और कहा कि अगर उनकी पत्नी आईएसआई एजेंट है, तो वह रॉ (भारत की विदेशी खुफिया एजेंसी) एजेंट हैं।

कांग्रेस नेता ने कहा कि मुझे कोई आपत्ति नहीं है अगर एक परिवार जिसके खिलाफ कई मामले हैं और कई आरोप हैं, वह मुझ पर आरोप लगाता है।

असम के सीएम सिर्फ अपने ऊपर लगे आरोपों से ध्यान भटकाना चाहते हैं

असम के मुख्यमंत्री सिर्फ अपने ऊपर लगे आरोपों से ध्यान भटकाने के लिए ये आरोप लगा रहे हैं। गोगोई ने कहा कि भाजपा के ऐसे आरोप नए नहीं हैं और पार्टी पर पिछले साल के लोकसभा चुनाव से पहले उनके और उनके परिवार के खिलाफ बदनामी अभियान चलाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि भाजपा के पास कोई मुद्दा नहीं है और वह इन बेबुनियाद आरोपों का सहारा ले रही है। इसने पिछले साल लोकसभा चुनाव से पहले मेरे और मेरे परिवार के खिलाफ ऐसा ही बदनामी भरा अभियान चलाया था और जोरहाट संसदीय क्षेत्र के लोगों ने मुझे चुनकर इसका जवाब दिया था।

हर चीज में राजनीति नहीं लानी चाहिए : अमोल कोल्हे

» संजय राउत के बयान पर एनसीपी शरद गुट नाराज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। शिवसेना यूबीटी के नेता संजय राउत के इस बयान का कि राजनीति में कुछ चीजों से बचना चाहिए। कल शरद पवार ने शिंदे का तो अभिनंदन नहीं किया लेकिन अमित शाह का अभिनंदन किया। यह हमारी भावना है। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए, शरद पवार की पार्टी के सांसद अमोल कोल्हे ने कहा कि वह अपनी निजी राय व्यक्त कर सकते हैं और हर चीज में राजनीति नहीं लानी चाहिए। राकांपा संस्थापक शरद पवार द्वारा महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की उनके मुख्यमंत्री रहते हुए किए गए कार्यों के लिए प्रशंसा करने के बाद विपक्षी महा विकास अघाड़ी (एमवीए) में दरारें और बढ़ती दिखाई दीं।

हालांकि, सूत्रों के अनुसार पवार के इस कदम को उद्धव ठाकरे ने अच्छी भावना से नहीं लिया। राकांपा (सपा) गुट के प्रमुख पवार ने 98वें अखिल भारतीय मराठी साहित्य सम्मेलन के अवसर पर शिंदे को महादजी शिंदे राष्ट्र गौरव पुरस्कार से सम्मानित किया, जिसकी अध्यक्षता राकांपा संस्थापक कर रहे हैं। सेना (यूबीटी) के प्रवक्ता संजय राउत ने भी इस कदम की आलोचना करते हुए कहा कि एकनाथ शिंदे को सम्मानित करना गृह मंत्री अमित शाह को सम्मानित करने जैसा है, क्योंकि शिंदे ने उनकी मदद से ही शिवसेना को विभाजित किया था। हालांकि, पवार की पार्टी ने कहा कि यह राजनीति नहीं साहित्य से जुड़ा कार्यक्रम है।

पवार के साथ अच्छे संबंधों का आनंद लें : एकनाथ शिंदे

महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा पवार गुगली गेंदें भी फेंकते हैं, जिन्हें समझना मुश्किल होता है। लोगों को पवार के साथ अच्छे संबंधों का आनंद लेना चाहिए। मेरे पवार के साथ अच्छे संबंध हैं, लेकिन उन्होंने मुझे कभी 'गुगली' नहीं फेंकी। मुझे पूरा भरोसा है कि वह भविष्य में भी मुझे गुगली नहीं फेंकेंगे। उन्होंने कहा कि पवार महाराष्ट्र में इतने कम समय में हुए विकास कार्यों के भी गवाह रहे हैं। शिंदे ने कहा, पवार मुझे अक्सर फोन करते हैं। किसी को पवार से सीखना होगा कि राजनीतिक सीमाओं से परे जाकर रिश्ते कैसे बनाकर रखे जाते हैं।"

देश का भविष्य खतरे में: आदित्य

शिवसेना (यूबीटी) ने महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को सम्मानित करने के लिए अपने सहयोगी और राकांपा (सपा) अध्यक्ष शरद पवार पर कड़ी अस्वीकृति व्यक्त की। सेना (यूबीटी) नेता आदित्य ठाकरे ने एकनाथ शिंदे को सम्मानित करने के लिए शरद पवार की आलोचना की। उन्होंने कहा कि मैं उनकी (शरद पवार) उम्र, वरिष्ठता और सिद्धांतों के बारे में बात नहीं करूंगा। हमारा सिद्धांत है कि हम ऐसे व्यक्ति (एकनाथ शिंदे) का कभी सम्मान न करें। उन्होंने (एकनाथ शिंदे) न सिर्फ हमारी पार्टी और परिवार को बल्कि महाराष्ट्र की रीढ़- राज्य में औद्योगीकरण को भी विभाजित कर दिया है। आदित्य ठाकरे ने साफ तौर पर कहा कि जो महाराष्ट्र द्रोही है, वह देश द्रोही भी होता है। इंडिया गठबंधन को लेकर आदित्य ठाकरे ने कहा कि मैं कल रात राहुल गांधी से मिला। आज मैं अरविंद केजरीवाल से मिलूंगा। आज आपके देश का भविष्य संदेह में है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार : सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार : संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट : हसन जैदी, दूरभाष : 0522- 4078371 | Email : daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।